जिला सामाजिक आर्थिक पुनर्निरीक्षण

जिला करनाल

2010-2011

जारीकर्ता :-

जिला सांख्यिकीय अधिकारी,
करनाल ।

जिला सामाजिक आर्थिक पुनरीक्षण – जिला करनाल

विषय सूचि

	विषय		पृष्ठ संख्या
परिशिष्ट	1.	**सामाजिक आर्थिक पुनरीक्षण जिला करनाल**	1–2
	2.	**स्थिति, ऐतिहासिक पृष्ठ भूमि व भौतिक विशेषताऐं**	3–5
		स्थिति	
		ऐतिहासिक पृष्ठ भूमि	
		सांस्कृतिक एवं सामाजिक जीवन	
		क्षेत्रफल व प्रशासनिक ढांचा	
		भौतिक विशेषताए	
		खनिज सम्पदा	
		नदियां	
		जलवायु व वर्षा	
		भू–जल संसाधन/विज्ञान	
		मिटटी/भूमि	
	3.	**जनसंख्या**	5–10
		जनगणना के आंकडे	
		घनत्व	
		ग्रामीण व शहरी जनसंख्या	
		अनुसूचित जाति जनसंख्या	
		साक्षरता	
		जन्म व मृत्युदर	
		रिहायशी घर	
		कार्यकर्ता	
		जनगणना 2001 के अनुसार उपलब्ध मुलभूत सुविधाओं का ब्योरा	
		स्लम जनसख्या	
		विकलांगता	
		धर्मानुसार जनसख्या	

	विषय		पृष्ठ संख्या
	4.	**वन**	10–11
		वन क्षेत्र	
		वृक्षारोपण, उत्पादन व आय	
	5.	**कृषि**	11–14
		क्षेत्र का वर्गीकरण	
		कृषि जोतें	
		फसल चक्र एवं फसल क्षमता	
		औसत उपज तथा कुल उत्पादन	
		अधिक उपजाउ बीजों की किस्में	
		उर्वरकों का प्रयोग	
		पौधारक्षण	
		सब्जियों व बागवानी के अधीन क्षेत्र	
		फसलों का विविधिकरण	
		भूमि विकास कार्यक्रम/कृषि उपकरण	
		कृषि उपज–आमद व बिक्री	
	6.	**सिंचाई**	15
		सिंचाई के साधन	
		फसलानुसार सिंचित क्षेत्र/सिचांई की सघनता	
		प्राकृतिक आपदा	
	7.	**पशुधन तथा डेरी**	15–16
		पशुधन	
		पशु चिकित्सा सेवाऐं	
		नस्ल सुधार	
		पशु निर्यात	
		नाईट्रोजन प्लांट	
	8.	**मछली पालन**	17
	9.	**विद्युत**	17–18
		उपभोग/उपलब्धता	
		विस्तार	

	विषय		पृष्ठ संख्या
	10.	**खनिज पदार्थ तथा उधोग**	18–19
		खनिज उत्पादन	
		लघु उद्योग	
		औद्योगिक सम्पदा	
		प्रधान मन्त्री रोजगार योजना	
		औद्योगिक उत्पादन	
	11.	**सडक तथा परिवहन**	19–20
		सडकों की लम्बाई	
		राज्य परिवहन	
		सडक दुर्घटनाऐं	
		रेलवे स्टेशन	
	12.	**संचार**	20
		डाकघर	
		जनसंचार	
		दूरभाष	
	13.	**श्रम तथा रोजगार**	20–21
		रोजगार केन्द्र	
		एक परिवार एक रोजगार	
		बेरोजगारी भत्ता	
		औद्योगिक झगडे	
		वाणिज्यिक प्रतिष्ठान	
	14.	**सहकारिता**	21–22
	15.	**बैंक**	22
	16.	**शिक्षा**	23–26
		विद्यालय तथा महाविद्यालय	
		व्यवसायिक शिक्षा	
		सर्व शिक्षा अभियान	
		सतत् शिक्षा कार्यक्रम	

		विषय	पृष्ठ संख्या
	17.	**चिकित्सा एंव जन स्वास्थय**	26–27
		स्वास्थय सेवाऐं	
		परिवार कल्याण	
		टीकाकरण	
		पेयजल सुविधा	
	18.	**जन कल्याण**	27–30
		स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना	
		स्वर्ण जयन्ती शहरी रोजगाार योजना	
		अक्षय उर्जा विकास कार्यक्रम	
		सम्पूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना	
		समन्वित ग्राम उर्जा परियोजना	
		इन्दिरा आवास योजना	
		हरियाणा हरिजन वित्त एवं विकास निगम	
		हरियाणा महिला विकास निगम	
		हरियाणा पिछडा वर्ग एवं आर्थिक रुप से कमजोर वर्ग कल्याण निगम	
		वृद्धावस्था एवं अन्य पैशन	
		कन्यादान योजना	
		मकान अनुदान योजना	
		नगर सुधार मण्डल	
		रैडक्रास सोसाईटी	
		समेकित बाल विकास परियोजना	
	19.	**विविध**	30–34
		नगर पालिकाऐं	
		पंचायत समितियां व ग्राम पंचायतें	
		राजस्व	
		(क) रजिस्ट्रीकरण	
		(ख) आबकारी	
		सार्वजनिक वितरण प्रणाली	
		पुलिस और अपराध	

	विषय		पृष्ठ संख्या
		हरियाणा सरकार के कर्मचारी	
		मनोरंजन	
		बचत	
		विकेन्द्रीकरण योजना	
		खेलकूद व युवा कल्याण	
		नेहरु युवा केन्द्र	
		सासंद क्षेत्रीय विकास निधि	
		जिला लोक सर्म्पक एंव कष्ट निवारण समिति	
	20.	**जिला एक दृष्टि में**	
		चुने हुए सूचकांक	35–36

जिला सामाजिक आर्थिक पुनर्निरीक्षण

हरियाणा राज्य के मानचित्र पर जिला करनाल का विशिष्ट स्थान है । पौराणिक, ऐतिहासिक, धार्मिक तथा विकासात्मक दृष्टि के अर्न्तगत जिला करनाल विश्व के मानचित्र में 'हरियाणा का पैरिस' की उपमा से अलंकृत है । जिला करनाल ने 'धान का कटोरा' के रुप में भी अपनी पहचान बनाई हुई है । यह जिला निरन्तर न केवल कृषि बल्कि औद्यौगिक प्रगति के पथ पर भी अग्रसर है । यमुना नदी जिले की पूर्वी सीमा को उत्तर प्रदेश से अलग करती है । 1971 की जनगणना के समय जिला करनाल का क्षेत्रफल 8007.68 वर्ग कि0मी0 था व इसके अर्न्तगत कुल 1429 गांव थे । त्वरित विकास के लिए नये जिलों के निर्माण के फलस्वरुप वर्तमान जिला करनाल में 434 गांव है व राजस्व/गांव पत्रों के अनुसार क्षेत्रफल 2462.5 वर्ग कि.मी. है ।

1. प्रशासनिक सुविधा के लिये जिला करनाल को तीन उपमंडल (करनाल, असन्ध व इन्द्री) पांच तहसीलों, तीन उप-तहसीलों व छः विकास खण्डों में बाटां गया है । राजस्व रिकार्ड़ के अनुसार जिले का क्षेत्रफल 2462.5 वर्ग किलो मीटर है जोकि राज्य के कुल क्षेत्रफल का 5.6 प्रतिशत है । 2011 की जनगनणा के अनुसार जिले की कुल जनसंख्या 1506323 (P) है, जिसमे से 69.73 प्रतिशत गावों व शेष 30.27 प्रतिशत शहरों में रहती है । जिले में लिंगानुपात 865 तथा पुरुष व स्त्री साक्षरता क्रमशः 76.3 व 58.0 प्रतिशत है ।

2. जिले की जलवायु गर्माद्र है । यहां गर्मियो में अधिक गर्मी और सर्दियों में अत्यधिक सर्दी होती है। मास जनवरी सबसे ठण्डा व जून सबसे गर्म मास है । सर्दियो में न्यूनतम तापमान एक डिग्री सैटीग्रेड तक पहुंच जाता है । वर्षा मास जुलाई व अगस्त में तथा कभी-कभी मास दिसम्बर व जनवरी में भी होती है ।

3. ग्राम प्रपत्रों के अनुसार जिले का कुल क्षेत्रफल 246.3 हजार हैक्टेयर है। वर्ष 2009-10 के दौरान 217 हजार हैक्टेयर भूमि (88.10 प्रतिशत) कृषि योग्य थी, जिसमें से 197 हजार हैक्टेयर क्षेत्र में निबल कृषि की गई । लगभग 3.77 प्रतिशत क्षेत्र फुटकर वृक्षों, उपवनों, चरागाहों आदि के अधीन व 3.7 प्रतिशत क्षेत्र वर्तमान परती भूमि का था। 192 हजार हैक्टेयर क्षेत्र में एक से अधिक बार फसलें बोई गई तथा कुल 389 हजार हैक्टेयर क्षेत्र काश्त के अधीन रहा । कुल बोए गए क्षेत्र में से 44.06 प्रतिशत में गेहूं, 44.08 प्रतिशत में धान व 2.05 प्रतिशत में गन्ना बोया गया ।

4. जिले में 10 कृषि मण्डियां व 8 सब यार्ड है । कृषि उपज का उचित मूल्य किसानों को मिले तथा उनका शोषण न हो, इन मण्डियों के माध्यम से जिला प्रशासन सदा जागरुक रहता है । खाद्यान्न भण्डारन के लिये जिले मे 624 हजार टन क्षमता के सरकारी व अर्ध-सरकारी गोदाम उपलब्ध रहे ।

5. जिले में लगभग शत-प्रतिशत बोया गया निबल क्षेत्र सिंचित रहा । सरकारी नहरो का योगदान 21.83 प्रतिशत रहा । शेष सिंचाई 59874 डीजल सैट व बिजली के टयूबवैलों द्वारा की गई । जिला करनाल में सिंचाई की सघनता 197.0 रही ।

6. जिला करनाल के सभी गांव पक्की सडको से जुडे हुए है और उनमें बस सेवा उपलब्ध है । विकास कार्यक्रमों के अन्तर्गत सडको की मुरम्मत व सुधार का कार्य प्रगति पर रहा । सभी गावों का विद्युतिकरण भी हो चुका है व उनमें स्वच्छ जल की समुचित/पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है ।

7. वर्ष 2010-11 तक जिले में सभी प्रकार की 1111 सहकारी समितियां थी, जिनके पास 1773 करोड रु0 की कार्य पूंजी उपलब्ध थी । औसतन जिले में एक लाख व्यक्तियों के लिये 74 सहकारी समितियां सेवारत रही ।

8. स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिये राज्य सरकार की, स्थानीय निकाय की व एच्छिक संस्थाएं सेवारत रही । ऐलोपैथिक पद्धिति से इलाज करने के लिये 2 अस्पताल, 25 प्राथमिक स्वास्थ केन्द्र, 12 डिस्पैसरियां, 5 सामुदायिक स्वास्थय केन्द्र व 141 उप स्वास्थय केन्द्र कार्यरत रहे । जिनके द्वारा वर्ष 2010 के दौरान 8,15,924 का इलाज किया गया । 27 आर्युवैदिक व यूनानी संस्थाओं द्वारा भी 43364 रोगियों को चिकित्सा लाभ प्रदान किया गया ।

9. शिक्षा के क्षेत्र में भी यह जिला अग्रणी रहा है । सरकारी व सहायता प्राप्त 11 महाविद्यालयों द्वारा 9843 विद्यार्थियों को वर्ष 2010-11 के दौरान शिक्षित किया गया । मान्यता प्राप्त 344 उच्च/वरिष्ठ माध्यमिक, 166 माध्यमिक व 805 प्राथमिक विद्यालयों द्वारा 268324 विद्यार्थियों को शिक्षित किया गया ।

10. विकेन्द्रीकृत योजना, सांसद निधिकोष, मुख्य मन्त्रीं द्वारा स्वीकृत कार्यक्रम के अधीन जिले में विकास कार्यक्रम त्वरित गति से जारी रहें ।

स्थिति, ऐतिहासिक पृष्ठ भूमि व भौतिक विशेषताएं

1. स्थिति :- जिला करनाल हरियाणा राज्य के उत्तर पूर्व में 29‘58‘-29.28‘ से उत्तरी अक्षांश तथा 76‘29‘- 77.13‘ पूर्वी रेखांश के मध्य स्थित है । जिला करनाल के उत्तर व उत्तर पशिचिम में जिला कुरुक्षेत्र, पशिचिम में जिला जींद व दक्षिण में जिला पानीपत तथा पूर्व से लेकर पूर्व दक्षिण तक उत्तर प्रदेश के सहारनपुर व मुज्जफरनगर तथा मेरठ जिले है । समुद्र तल से इसकी उंचाई 235 से 252 मीटर है ।

2. ऐतिहासिक पृष्ठ भूमि :- राष्ट्रीय राज मार्ग न0 1 पर जिला करनाल देश की राजधानी दिल्ली व प्रदेश की राजधानी चण्डीगढ़ के बीच समान दूरी पर स्थित है । महाभारत काल के राजा कर्ण द्वारा बसाया गया क्षेत्र पुराणों में कर्णालय के नाम से विख्यात है, जो कालान्तर में करनाल कहा जाने लगा । करनाल नगरी के संस्थापक दानवीर राजा कर्ण के स्मृति चिन्ह कर्णताल (जहां राजा प्रतिदिन सोना दान किया करता था) व पालिका चौक पर मनमोहक घंटाघर पर भगवान कृष्ण को दानवीर कर्ण द्वारा सोने का दांत दान करते समय की मूर्तियां आज भी उनकी याद को ताजा करते है । मध्यकालीन युग, पठान युग व मराठों के शासन में करनाल क्षेत्र का विकास होता रहा । बर्तानबी काल में करनाल जिला पानीपत की तहसील रहा और इसका मुख्यालय शहर घरौण्डा में था । सन 1854 में अग्रेजों ने करनाल को जिला का दर्जा प्रदान किया व अनेक विकास कार्य करवाये । आजादी के बाद काफी संख्या में हिन्दू व सिक्ख यहां आकर बसे । जिला करनाल में असंध, सालवान, तरावडी, घरौण्डा, इन्द्री व गावं बसथली, बहलोलपुर, कुजंपुरा, सीतामाई, करनाल का मंजी साहिब गुरुद्धारा, शिव मन्दिर व तरावड़ी का गुरु तेगबहादुर शीशगंज गुरुद्धारा व मधुबन के पास पीर बाबा की मजार विशेष धार्मिक व ऐतिहासिक धरोहर संजोए हुए है । वर्तमान काल में जिला लद्यु सचिवालय, न्यायिक परिसर, उचाना की कर्ण झील, ओएसीस, घरौंडा का रैड रोबिन पर्यटन स्थल व राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, भारतीय कृषि अनुसंधान का प्रादेशिक केन्द्र, सहकारी चीनी मिल, सैनिक स्कूल कुजंपुरा, हरियाणा पुलिस परिसर मधुवन, अटल पार्क अपनी विशेष पहचान बनाये हुए है ।

3. सांस्कृतिक एवं सामाजिक जीवन :- खाद्यान्न उत्पादन, उत्कृष्ट रहन-सहन, आचार-व्यवहार, प्राकृतिक व ऐतिहासिक धरोहर के अनुसार जिला करनाल का समूचे भारत वर्ष में गौरवपूर्ण स्थान है । जिला करनाल में हिन्दू, मुस्लिम, सिक्ख व ईसाई बहुत ही सौहार्द के साथ रहते है, जिन का खाना मुख्यत: गेहूं, चावल, दालें इत्यादि है। वर्तमान में राष्ट्रीय राज मार्ग न0 1 पर टोल प्लाजा के नजदीक हवेली होटल ने विशेष

पहचान बनायी है । कस्वा तरावडी का बासमति चावल विश्व बाजार में अपना विशिष्ट स्थान बनाये हुऐ है । आजादी की लडाई से लेकर कारगिल के युद्ध तक यहां का योगदान किसी से छिपा नही है । प्रवेश कुमार मखाला ने तुरतुक क्षेत्र में, बल्ला के गुलाब सिहं ने दोलांग क्षेत्र में, जसविन्द्र सिहं सांबी ने राजौरी क्षेत्र में वीरता का परिचय देते हुए शहादत पाई, जिस पर जिलावासियों को गर्व है ।

4. क्षेत्रफल व प्रशासनिक ढाचा :- प्रशासनिक सुविधा के लिये जिले के 434 गावों को छः विकास खण्डों नामतः करनाल, इन्द्री, नीलोखेड़ी, घरौण्डा, निसिगं व असंध में बांटा गया है । पांच तहसीलों नामतः करनाल, नीलोखेड़ी, इन्द्री, घरौंडा व असंध तीन उप-तहसीलों नामतः निसिंग, बल्ला व निगदू तथा तीन उप-मण्डलों करनाल, असंध तथा इन्द्री में बांटा गया है । जिला में एक करनाल शहर की नगर निगम व 6 नगरपालिकाऐं नामतः नीलोखेडी, तरावडी, इन्द्री घरौण्डा, निसिंग व असंध है । जिले का प्रशासनिक मुख्यालय करनाल शहर में स्थित है ।

जिले का कुल क्षेत्रफल 2462.5 वर्ग किलो मीटर है । जोकि राज्य के क्षेत्रफल का 5.6 प्रतिशत है । कुल जनसंख्या 1506323, राज्य की जनसंख्या का 5.94 प्रतिशत है । जिले में 10 मार्किट कमेटियां व 9 सब यार्ड तथा 380 ग्राम पंचायतें हैं ।

5. भौतिक विशेषताएं :- यमुना नदी जिला करनाल की समतल पूर्वी सीमा के साथ-साथ उत्तर दक्षिण की और बहती है, व जिला करनाल की पूर्वी सीमा को उत्तर प्रदेश राज्य से अलग करती है। भू-स्थल समतल व उपजाउ है । उत्तर दक्षिण जिले की लम्बाई लगभग 50 किलोमीटर है व इसकी चौडाई लगभग 55 किलो मीटर है। जिला करनाल गंगा सिन्धु के मैदान का हिस्सा है। समुद्र तल से इसकी उंचाई 235 से 252 मीटर है ।

6. खनिज सम्पदा :- प्राकृतिक खनिज सम्पदा के क्षेत्र में जिला करनाल भाग्यशाली नही है । यमुना नदी के किनारों से केवल बालू रेत ही निकाली जाती है ।

7. नदियां :- सदा बहार यमुना नदी करनाल की पूर्वी सीमा के साथ-साथ बहती हुई उत्तर से दक्षिण की ओर प्राकृतिक रुप से प्रवाहित होती है । पश्चिमी यमुना नहर इसके उत्तर पश्चिम में है ।

8. जलवायु व वर्षा :- जिला करनाल की जलवायु गर्म है । ग्रीष्म काल में अत्याधिक गर्मी व सर्दियों में अत्याधिक सर्दी होती है । मास जून में अत्याधिक गर्मी होती है व तापमान 45 डिग्री तक पहुंच जाता है। मास जनवरी मे अति-अधिक सर्दी हाती है व तापमान एक डिग्री तक गिर जाता है। वर्षा प्राय: मास जुलाई व अगस्त में होती है । वर्ष 2009 में 527.5 मि0मी0 औसत वर्षा हुई, जबकि गत वर्षो की औसत 395.02 मि0 मी0 की है ।

9. भू-जल संसाधन/विज्ञान :- जिला करनाल में भू-जल स्तर जमीन की सतह से 4.79 से 30.75 मीटर तक की गहराई तक है । भू-जल का अधिकतम दोहन हो रहा है । फलस्वरुप जिले का शत-प्रतिशत क्षेत्र डार्क श्रेणी में आ गया है । भू-जल स्तर में निरन्तर गिरावट आ रही है । अन्तिम जलस्तरीय निरीक्षण के आधार पर औसत जल-स्तर 13.23 मीटर आंका गया है । भूमिगत जल का बहाव जिले की दक्षिण दिशा की ओर है । मास जून 2007 में किये गये आकंलन के अनुसार आधा प्रतिशत क्षेत्र में जल स्तर 3 से 5 मीटर, 20 प्रतिशत में 5 से 10 मीटर, 35 प्रतिशत में 10 से 15 मीटर तथा 40 प्रतिशत क्षेत्र में 15 से 20 मीटर के बीच तथा शेष 4 प्रतिशत क्षेत्र (लगभग 34 वर्ग किलो मीटर) में 20 मीटर से 25 मीटर के बीच आंका गया ,शेष 0.5 प्रतिशत क्षेत्र में 25 मीटर से 30 मीटर तक आंका गया ।

10. मिट्टी/भूमि :- भू-क्षेत्र मुख्यत: तीन भागों में विभक्त है । बांगर क्षेत्र/मिटटी मुख्यत: विकास खण्ड घरौण्डा में आता है । खादर का इलाका करनाल से एक किलो मीटर दूर, इन्द्री करनाल मार्ग से शुरु होकर यमुनानदी व राष्ट्रीय राजमार्ग न0-1 पर गावं कोहण्ड तक के मध्य घिरा हुआ है । नरदक क्षेत्र में विकास खण्ड निसिंग, नीलोखेडी व असन्ध स्थित है । उथले पानी के नमूनों की विद्युत चालकता के आंकलन अनुसार 97 प्रतिशत जल मीठा व 3 प्रतिशत जल उपमध्यम से मध्यम श्रेणी की गुणवता वाला है । जिले में सामान्यत: दोमट, बालूई - दोमट किस्म की मिटटी पायी जाती है ।

जनसंख्या

11. जनसंख्या :- वर्ष 2011 की जनगणना के आधार पर जिला करनाल की कुल जनसंख्या 1506323 है जिसमें से 1050293 ग्रामीण व 456030 शहरी जनसंख्या है । वर्ष 2001 में जिले की कुल जनसंख्या में से 579485 (45.5) प्रतिशत तहसील करनाल, 186762 (14.7) प्रतिशत तहसील असन्ध, 184053 (14.4) प्रतिशत तहसील नीलोखेडी, 143771 (11.3) प्रतिशत तहसील इन्द्री व 180112 (14.2) प्रतिशत व्यक्ति तहसील

घरौण्डा में हैं । 1991–2001 की अवधि में जिले की जनसंख्या में 23.13 प्रतिशत दशकीय वृद्धि हुई, जबकि राज्य का औसत वृद्धि 28.06 प्रतिशत है । 1981–91 के दौरान दशकीय वृद्धि 24.76 प्रतिशत थी । जिले में जनसंख्या प्रवास नगन्य है, जोकि औद्याौगिक विकास कम होने के कारण है ।

जिले की जनसंख्या – 2011 (P)

क्षेत्र	पुरुष	स्त्रियां	कुल जनसंख्या
ग्रामीण	557305	492988	1050293
शहरी	241535	214495	456030
ग्रामीण + शहरी	798840	707483	1506323

12. घनत्व :– जिला करनाल का कुल क्षेत्रफल 2458.3 वर्ग कि0 मी0 है । 2416.86 वर्ग किमी0 ग्रामीण तथा 41.44 वर्ग कि0 मी0 शहरी क्षेत्र के अर्न्तगत आता है । जनसंख्या के आधार पर जिलों के मध्य राज्य में इसका छठा स्थान है । जिला करनाल में 598 व्यक्ति प्रति वर्ग कि0मी0 क्षेत्र में रहते है, जबकि राज्य का औसत 573 व्यक्ति प्रति वर्ग कि0 मी0 का है ।

13. ग्रामीण तथा शहरी जनसंख्या :– जिला करनाल की कुल जनसंख्या का लगभग 69.73 प्रतिशत गावों में तथा 30.27 प्रतिशत शहरी क्षेत्र में रहता है । कुल शहरी जनसंख्या का 70.5 प्रतिशत शहर करनाल में तथा शेष अन्य 6 शहरों में रहता है । घरौडा में 8.30 तथा इन्द्री में न्यूनतम 3.83 प्रतिशत आबादी है । जिला करनाल में स्त्री, पुरुष अनुपात 2011 की गणना के अनुसार 886 प्रति हजार है जबकि राज्य का औसत 861 प्रति हजार है । मेवात में यह अनुपात अधिकतम 906 है । जिला सोनीपत में न्यूनतम 853 है । जिला करनाल में शहरी क्षेत्र का लिंग अनुपात 888 व ग्रामीण क्षेत्र में 884 है ।

14. अनुसूचित जाति जनसंख्या:– 2001 की जनगणना अनुसार जिला करनाल में 267424 व्यक्ति अनुसूचित जातियों से सम्बन्धित है । यह जिले की कुल जनसंख्या का 20.99 प्रतिशत है एंव हरियाणा राज्य की कुल अनुसूचित जनसंख्या का 6.54 प्रतिशत है । राज्य में अनुसूचित जातियों की प्रतिशतता 19.35 है ।

जिले में अनुसूचित जातियों की जनसंख्या

क्षेत्र	कुल जनसंख्या	पुरुष	स्त्रियां
ग्रामीण	214826	115264	99562
शहरी	52598	28191	24407
ग्रामीण + शहरी	267424	143455	123969

15. साक्षरता :- जनगणना 2011 के अनुसार जिला करनाल में 76.44 प्रतिशत व्यक्ति साक्षर है । ग्रामीण साक्षरता दर 73.10 प्रतिशत तथा शहरी साक्षरता दर 83.94 प्रतिशत है । शहरी क्षेत्रो में 1000 पुरुषो के विरुद्ध 888 साक्षर पुरुष तथा 1000 स्त्रियों के विरुद्ध 786 साक्षर स्त्रियां थी । ग्रामीण क्षेत्र में 1000 पुरुषो के पीछे 815 पुरुष तथा 1000 स्त्रियों के पीछे 637 स्त्रियां साक्षर थी ।

जिला करनाल में साक्षरता

क्षेत्र	कुल जनसंख्या	साक्षर जनसंख्या	कुल पुरुष	साक्षर पुरुष	कुल स्त्रियां	साक्षर स्त्रियां
ग्रामीण	1050293	664012	557305	390799	492988	273213
शहरी	456030	338760	241535	188639	214495	150121
ग्रामीण + शहरी	1506323	1002772	798840	579438	707483	423334

16. जन्म एवं मृत्युदर :- अन्तिम अनुमान अनुसार वर्ष 2009 में जन्म दर 22.7 प्रति हजार एवं मृत्यु दर 6.6 प्रति हजार थी । बाल मृत्यु दर 51.0 प्रति 1000 रही । सिविल रजिस्ट्रेशन स्कीम के अनुसार जिला करनाल में वर्ष 2010 के दौरान 32102 बच्चो ने जन्म लिया तथा 9219 मौतें हुई । जिला करनाल में जन्म के समय 100 बालिकाओं के पीछे बालकों की संख्या 122 थी ।

17. रिहायशी घर/परिवार :- 2001 की जनगणना अनुसार जिला करनाल में कुल 224230 परिवार थे, जिनमें से 160252 ग्रामीण तथा शेष 63978 शहरी घर/परिवार थे ।

18. मुख्य कार्यकर्ता :- जनगणना 2001 के अनुसार जिला करनाल में मुख्य कार्यकर्ता 355466 (कुल जनसंख्या का 27.90 प्रतिशत) है तथा सीमान्त कार्यकर्ताओं की संख्या 99989 (कुल जनसंख्या का 7.85 प्रतिशत) है । शेष 818728 व्यक्ति (64.25 प्रतिशत) कार्य न करने वाले अर्थात कार्यकर्ताओं पर निर्भर पाये गये । मुख्य कार्यकर्ताओं में से 29.58 प्रतिशत कृषक, 15.97 प्रतिशत खेतीहर मजदूर व 54.55 प्रतिशत अन्य कार्यो/सेवा तथा गृह उद्योग आदि में कार्यरत थे ।

19. जनगणना 2001 के अनुसार उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं का ब्यौरा :- जिला करनाल की राज्य के विकसित जिलों में गणना होती है, शेरशाह सूरी मार्ग पर चण्डीगढ व दिल्ली के मध्य समान दूरी पर स्थित यह जिला मुख्यत: कृषि व दुग्ध पदार्थो के उत्पादन के कारण समृद्ध है । सामूहिक सूचकांक मूल्यांकन के आधार पर शहरी जिला करनाल की पांचवी सम्मानजनक स्थिति है । केवल पंचकूला, अम्बाला, कुरुक्षेत्र व गुडगांवा ही उससे पहली पंक्ति में आते है । जिले के कुल 313344 जनगणना भवनों में से 16403 (5.2) प्रतिशत भवन ही खाली पाये गये । प्रयोग किये जा रहें 296941 भवनों में से 67.1 प्रतिशत आवासीय व 4.3 प्रतिशत आवासीय कम अन्य प्रयोगों में थे । पूर्णतया गैर आवासीय भवनों 85062 में से 35.3 प्रतिशत दुकानें व कार्यालयों के लिए 1.50 प्रतिशत स्कूल-कालेज के लिए, 4.4 प्रतिशत फैक्टरियों, वर्कशापों व अन्य कार्य स्थलों के लिए, 1.0 प्रतिशत हस्पतालों के लिए, 0.4 प्रतिशत होटल व जलपान गृहों के लिए तथा शेष 57.4 प्रतिशत विविध कार्यो के प्रयोग अधीन पायें गये ।

आवासीय भवनों में से 46.3 प्रतिशत अच्छी, 49.0 प्रतिशत रहने योग्य व शेष 4.7 प्रतिशत खस्ता हालत में पाये गये ।

जिले के 260823 दम्पतियों में से 71.2 प्रतिशत को स्वतन्त्र शयन कक्ष उपलब्ध पाया गया । कुल परिवारों में से 47.8 प्रतिशत परिवारों को नल/टूंटी की जल सुविधा, 43.3 प्रतिशत को हैडपम्प की सुविधा उपलब्ध थी । मात्र 0.08 प्रतिशत परिवार तालाब या नहर का पानी, पीने के पानी के रुप में प्रयोग करते बताये गयें । रोशनी के लिए 84.2 प्रतिशत परिवार विद्युत का, 14.8 प्रतिशत मिटटी के तेल का, 0.2 प्रतिशत सोलर उर्जा का प्रयोग कर रहे थे । मात्र 0.5 प्रतिशत परिवारों ने रोशनी के लिए किसी भी साधन की उपलब्धता से इन्कार किया ।

46.9 प्रतिशत परिवारों में स्वतन्त्र स्नानघर की सुविधा पायी गयी, जबकि 55.5 प्रतिशत परिवारों में शोच के लिए उचित शोच स्थान न था, अर्थात ये परिवार

खुले में शौच के लिए जाते पाये गयें । 11.1 प्रतिशत परिवारों को फालतू/गन्दे पानी की निकासी के लिए नालियां उपलब्ध न थी ।

30 प्रतिशत परिवारों में अलग से भोजन पकानें के लिए रसोईघर उपलब्ध न था, अर्थात ये परिवार खुले में भोजन बना रहे थे । भोजन बनाने के लिए 33.8 प्रतिशत परिवार एल.पी.जी. (खाना पकाने की गैस), 0.8 प्रतिशत बायोगैस, 23.4 प्रतिशत लकडी, 33.9 प्रतिशत उपले व 4.5 प्रतिशत क्राप रसडूस (Crop Residue) तथा 3.6 प्रतिशत परिवार अन्य प्रकार के ईधन कच्चा कोयला, मिटटी का तेल, विद्युत अदि प्रयोग करते पाये गये ।

जिले के 41.2 प्रतिशत परिवार बैकं सुविधा का प्रयोग कर रहे थे । जिले के 19.7 प्रतिशत परिवारो के पास रेडियों, टी.वी, टेलिफोन, कार स्कूटर, साईकिल आदि की सुविधा उपलब्ध न थी ।

13.7 प्रतिशत परिवारों के पास दूरभाष, 62.02 प्रतिशत के पास दूरदर्शन व 21.8 प्रतिशत के पास स्कूटर मोटर साईकिल तथा 56.2 प्रतिशत के पास साईकिल नामक परिसम्पति उपलब्ध थी ।

20. स्लम जनसंख्या :- जनगणना 2001 के समय शहर करनाल में 58949 व्यक्ति (शहर की कुल जनसंख्या का 26.5 प्रतिशत) मलिन बस्तियों में रह रहे थे । स्लम बस्तियों में लिंगानुपात 846 था, जो कि जिले के औसत 865 की तुलना में काफी कम है । स्त्री साक्षरता दर 61.4 प्रतिशत भी शहरी स्त्री साक्षरता दर (73.96) से कम है । 2001 की जनगणना अनुसार 0-6 आयु वर्ग के बच्चे मलिन बस्तियों में मलिन बस्तियों की कुल जनसंख्या के 14 प्रतिशत है, जबकि जिले की शहरी जनसंख्या के विरुद्ध यह औसत 13.0 प्रतिशत है । स्पष्ट है कि शहर करनाल की मलिन बस्तियों में महिला व बाल विकास कार्यक्रम तथा परिवार कल्याण कार्यक्रम को बल दिया जाना चाहिये ।

21. विकलांगता :- जनगणना 2001 के अनुसार जिला करनाल में सभी प्रकार के विकलांग व्यक्तियों की सख्या 27411 (कुल जनसंख्या का 2.15 प्रतिशत) थी । कुल 27411 में से 11109 व्यक्ति नेत्र (40.5 प्रतिशत) विकलांगता से पीड़ित थे । गूंगे व बहरे विकलांग व्यक्तियों की सख्या 2981 (कुल विकंलाग व्यक्तियों 10.9 प्रतिशत) थी । चलने-फिरने में विकलांग की प्रतिशतता 36.9 रही, जबकि मानसिक रुप से 11.7 प्रतिशत विकलांगता से ग्रस्त पाये गयें । कुल 27411 विकलांग व्यक्तियों में से 47.7 प्रतिशत

साक्षर तथा 52.3 प्रतिशत निरक्षर थे । 27411 विकलांग व्यक्तियों में से 59.6 प्रतिशत पुरूष व शेष 40.4 प्रतिशत स्त्रियां थी । ग्रामीण क्षेत्र/गांवों में 75.4 प्रतिशत व शहरी क्षेत्र/शहरों में 24.6 प्रतिशत विकलांग व्यक्ति रह रहे थे। समाज कल्याण विभाग द्वारा वर्ष 2007-08 के दौरान कुल 7959 व्यक्तियों को 399.48 लाख रुपयें की पैंशन उपलब्ध करवायी गयी ।

शासकीय तथा समाज सेवी संस्थाओं की और से भी विकलांग व्यक्तियों को वांछित आर्थिक व उपकरण सामग्री से लाभाविन्त किया जाता रहा व उन्हें सक्षम बनाने की प्रक्रिया प्रगति पर रही ।

22. धर्मानुसार जनसख्यां:- जनगणना 2001 के अनुसार जिला करनाल में 88.3 प्रतिशत हिन्दू, 9.7 प्रतिशत सिख, 1.8 प्रतिशत मुसलमान, 0.08 प्रतिशत ईसाई धर्म को मानने वाले रह रहे थे । बौद्ध व जैन धर्म को मानने वाले की प्रतिशतता 0.14 थी ।कुल 1083 ईसाई धर्म को मानने वालों में से 780 (72 प्रतिशत) शहरी क्षेत्र में निवास कर रहे थे ।

वन

23. वन क्षेत्र :- हरियाणा राज्य में वनों का वर्गीकरण खण्ड स्तर के जंगलों एवं पट्टी स्तर के जंगलों के रुप में किया जाता है । सडको, नहरों, रेलवे लाईन के किनारों पर पाए जाने वाले जंगल स्ट्रिप जंगल है । जिला करनाल में स्ट्रिप जंगल पाए जाते है । वनों का वर्गीकरण राजकीय वन व निजि वनों के रुप में भी किया जाता है । राजकीय वनों को इसके आगे आरक्षित वन, संरक्षित वन एवं अवर्गीकृत वनों के रुप में वर्गीकृत किया गया है । निजि वनों में वह वन है जो इण्डियन फोरैस्ट एवं लैड परिजरवेशन एक्ट के अर्न्तगत आते है । वर्ष 2010-11 में गांव के प्रपत्रों के अनुसार जिले में मात्र 9 वर्ग कि0 मी0 वन क्षेत्र है। जो कि जिले के कुल क्षेत्रफल का मात्र 0.36 प्रतिशत है। वन विभाग के अनुसार जिला करनाल में 75.0 वर्ग कि0 मी0 आरक्षित व संरक्षित राज्य वन है तथा एक कि0मी0 निजि वन है । आरक्षित वन क्षेत्र जिले के बीड बसी, खांडाखेड़ी, शेरपुरा, उपली तथा बड़ागांव में है ।

24. वृक्षारोपण, उत्पादन व आय :- वन उत्पादन-लकडी, घास, बीज, पौधे आदि के विक्रय से राज्य को काफी आय होती है तथा अनेक व्यक्तियों की आजिविका का साधन है । राज्य सरकार द्वारा वनों की प्रगति के लिये अनेक योजनाएं चलाई जा रही है । वर्ष 2010-11 में 610.6 हैक्टेयर क्षेत्र (वन एवं सरकारी भूमि) में वृक्षारोपण किया गया

तथा 7.97 लाख पौधे निजि भूमि पर रोपित करवाये गए जो पर्यावरण सुधार के साथ इमारती व जलाने की लकडी उपलब्ध करवाएगें ।

कृषि

25. क्षेत्र का वर्गीकरण :- जिला करनाल का हरियाणा प्रदेश के कृषि क्षेत्र में प्रमुख स्थान है । वर्ष 2009-10 में राजस्व रिकार्ड अनुसार जिलें का कुल क्षेत्रफल 2462.5 हैक्टेयर है । कुल क्षेत्र में से 0.41 प्रतिशत वनों के अधीन, 9.35 प्रतिशत खेतीबाड़ी से भिन्न विभिन्न प्रयोगों में, 5.28 प्रतिशत क्षेत्रफल स्थाई चरागाहों एवं वृक्षों के अधीन थी । वर्तमान परती भूमि 2.03 प्रतिशत रही । बंजर एवं अकृष्य भूमि की प्रतिशतता 5.69 रिकार्ड की गई । कृषि योग्य परन्तु बंजर भूमि मात्र 0.41 प्रतिशत रही । शेष क्षेत्र 77.20 प्रतिशत कृषि अधीन रहा । वर्ष 2009-10 के दौरान 217 हजार हैक्टेयर क्षेत्र कृषि योग्य था, जिसमें से 197 हजार हैक्टेयर क्षेत्र (90.86 प्रतिशत) काश्त अधीन रहा। वर्ष के दौरान 197 हजार हैक्टेयर बोए गए निबल क्षेत्र में से 192 हजार हैक्टेयर क्षेत्र (97.46 प्रतिशत) में एक से अधिक बार कृषि की गई, इस प्रकार 389000 हैक्टेयर क्षेत्र कुल काश्त अधीन रहा ।

26. कृषि जोतें :- वर्ष 2000-01 की कृषि गणना के अनुसार जिला करनाल में कुल 103735 जोतों के अधीन 220249 हैक्टेयर क्षेत्र था । जोत का औसत आकार 2.12 हैक्टेयर था । एक हैक्टेयर तक 51.53 प्रतिशत जोतें, एक से तीन हैक्टेयर तक 28.66 प्रतिशत जोतें, 3 से 7.5 हैक्टेयर तक 14.75 प्रतिशत तथा 7.5 हैक्टेयर से अधिक केवल 5.06 प्रतिशत जोतें थी ।

27. फसल चक्र व फसल क्षमता :- जिला करनाल में रबी में गेहूं तथा खरीफ में धान मुख्य नकदी फसलों के रुप में बोई जाती है । वर्ष 2009-10 में 171.4 हजार हैक्टेयर क्षेत्र गेहूं के अधीन था एवं उत्पादन 773 हजार टन था, जबकि वर्ष 2008-09 में 172.0 हजार हैक्टेयर भूमि पर उत्पादन 791 हजार टन था । धान उत्पादन में जिला करनाल का विशेष योगदान है । वर्ष 2009-10 में 171.5 हजार हैक्टेयर क्षेत्र में 521 हजार टन चावल की पैदावार हुई । गन्ने के अधीन 8.0 हजार हैक्टेयर क्षेत्र में 63.7 हजार टन गन्ने का उत्पादन हुआ । मक्का, चना, तिलहन और दालों का उत्पादन भी गैर नकदी फसलों के रुप में किया गया । बोए गए निबल क्षेत्र में से 87.00 प्रतिशत गेहूं, 87.05 प्रतिशत चावल, 0.61 प्रतिशत बाजरा, 0.15 प्रतिशत मक्की, 0.50 प्रतिशत आलू के अधीन रहा । 4.06 प्रतिशत क्षेत्र में गन्ने की खेती हुई ।

28. औसत उपज व कुल उत्पादन :- फसलों के अधीन उत्पादन में प्राकृतिक साधनों जैसे वर्षा, जलवायु, भूमि की उर्वरकता का महत्व तो रहता ही है, आधुनिक तकनीक के उचित उपयोग का भी प्रमुख योगदान होता है । वर्ष 2009-10 में गेहूं की उपज 773 हजार टन एवं धान की 521 हजार टन रही । गेहूं की औसत पैदावार 4518 कि0 ग्रा0 प्रति हैक्टेयर, धान की 3029 कि0 ग्रा0, बाजरा 2051 कि0 ग्रा0 तथा तिलहन का औसत 2333 कि0 ग्रा0 प्रति हैक्टेयर रहा । कृषि उत्पादन में नए नए कीर्तिमान स्थापित होने से कृषकों व कृषि श्रमिकों के जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार हो रहा है ।

29. अधिक उपजाऊ बीजों की किस्में :- कृषि विभाग द्वारा किसानों को उन्नत बीज उपलब्ध करवाने के प्रभावी प्रयास किये गये । फलस्वरुप वर्ष 2009-10 में धान के लिये लगभग 71.5 प्रतिशत व गेंहूं के लिये 98.8 प्रतिशत क्षेत्र उन्नत/अधिक उपजाउ बीजों की किस्मों के अधीन रहा ।

30. उर्वरको का प्रयोग :- आज का कृषक बिना रासायनिक खादों के कृषि नही करता । वर्ष 2010-11 में 83864 टन नाईट्रोजन, 28390 टन फासफोरस, 3962 टन पोटाश का उपभोग किया गया । कुल 116216 टन रासायनिक खाद में से लगभग 72.16 प्रतिशत नाईट्रोजन/यूरिया की खपत रही । कृषि इनपुट की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए वर्ष के दौरान उर्वरकों के 190 नमूनें चैक किए गये ।

रासायनिक खादों का प्रयोग कम करने के लिए तथा जमीन को सुधारने के लिए औरगैनिक खेती को बढावा देते हुऐ वर्मोकम्पोस्ट यूनिटें जिले के अन्दर लगाई गई ।

31. पौधारक्षण :- कृषि में अच्छी पैदावार लाने के लिये जहां उचित खाद और उन्नत बीजों का प्रमुख स्थान है वही फसलों को लगने वाली बिमारियों व कीडों को सही समय पर रोकना भी होता है । वर्ष 2010-11 में 470 हजार कि0 ग्रा0 कीटनाशक दवाईयों की खपत हुई । कृषि इनपुट की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए वर्ष के दौरान दवाईयों के 119 लिए गए नमूनें फेल पाये गये नमूनों के मालिकों के विरुद्ध कानूनी कार्यावाही की गयी ।

दवाईयों एंव खाद का अन्धा-धुन्ध प्रयोग रोकने के लिए आई.पी.एम.के किसान स्कूल कैम्प लगा कर व प्रर्दशनी प्लाट लगा कर किसानों को प्रशिक्षित किया

गया । योग्य एवं इच्छुक कृषकों को नई तकनीकी जानकारी उपलब्ध करवाने के लिए एग्रोटेक दिल्ली व चण्डीगढ मेले के अतिरिक्त अर्न्तराज्य भ्रमण करवाया गया ।

32. सब्जियों एवं बागवानी के अधीन क्षेत्र :- उद्यान विभाग द्वारा बागान की वृद्धि, सब्जियों की काश्त, मशरुम उत्पादन, बेमोसमी सब्जियों का उत्पादन, पोलीग्रीन हाउसिंग प्रणाली को बढावा देने के लिए निरन्तर कार्यक्रम चलाये जाते है । वर्ष 2009-10 में राष्ट्रीय बागवानी मिशन के अधीन एरिया एक्सपेंशन आफ फरुट, मैंटीनेस आर्चड, रैजुविनेशन आफ ओलड आचर्डस कार्यक्रम प्रगति अधिन रहे, जिसमे क्रमशः 91,42 व 132 किसानों को निशुल्क/अनुदान पर फलदार पौधे, कीटनाशक दवाईयां व खाद उपलब्ध करवायी गयी । औषधिय पौधों, हल्दी, मिर्च, जी़रा (मसालें) आदि की फसल को बढावा देने के लिए प्रशिक्षण शिविर प्रर्दशनियां आयोजित की गयी तथा 390 किसानों को 9.75 हैक्टेयर क्षेत्र में मिर्च, लहसुन व ओषधीय फसलों के उत्पादन के लिए 48.75 लाख रुपयें की अनुदान राशी बीज, खाद व दवाईयों के खर्च की क्षतिपूर्ति के लिए वितरित की गई ।

33. फसलों का विविधिकरण :- फसल चक्र की एक ही प्रकार की प्रथा अपनाने से एक तरफ भूमि की उपजाउ शक्ति ह्रास होती है तो दूसरी तरफ उत्पादन में कमी आती है व पानी का प्रयोग अधिक होता है । जिला करनाल में भू-जल स्तर में निरन्तर गिरावट/कमी आ रही है । इस समस्या को ध्यान में रखते हुए किसानों को सोयाबीन, सूरजमुखी तथा गन्ना आदि की खेती के लिये प्रेरित किया गया । धान व गेहूं के स्थान पर गन्ना, तिलहन, फल, फूल व जड़ी बूटियों की कृषि करने पर बल दिया जाता रहा । जल प्रबन्धन के अधीन साठी धान उन्मूलन अभियान चलाया गया ।

34. किसानों के खेतों पर प्रर्दशन :- अधिक उपज देने वाले उन्नत व अच्छी किस्मों के बीजों को बढ़ावा देने के लिये किसानों के खेतो पर प्रदर्शनी प्लांट लगाये गए । दलहन फसलों की बिजाई के प्रर्दशन प्लाटों के लिए 50 प्रतिशत इनपुट सप्लाई किए गयें ।

35. भूमि विकास कार्यक्रम/कृषि उपकरण:- कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिये एक ओर पौधारक्षण की आधुनिक तकनीक को बढ़ावा दिया जा रहा है, तो दूसरी ओर कृषि योग्य भूमि के विस्तार के लिये निरन्तर प्रयास किये जा रहे हैं । जिला करनाल में राष्ट्रीय परती भूमि विकास परियोजना चलाई जा रही है । इस परियोजना का उद्देश्य भूमि की रचना में सुधार व क्षारीय तथा लवणीय तत्वों को कम करना, भूमि कटाव को रोकना, पर्यावरण शुद्ध करना व उर्जा की खपत में बचत का बढ़ावा देना है । वर्ष 2009-10 में

580 कृषकों के 1350 हैक्टेयर क्षेत्र में 6075 मी0 टन जिप्सम डलवाकर भूमि की गुणवता में सुधार करवाया गया, जिस पर 58.14 लाख रुपयें की अनुदान राशी खर्च की गयी । 10970 मिट्टी के व 190 पानी के सैम्पलों का विश्लेषण कर उचित खादों के प्रयोग का परामर्श दिया गया । माईकोन्यूट्रैट्स/सूक्ष्म तत्वों (जिंक, कोपर, आयरन एवं मंगनीज आदि) के परीक्षण किये गये । किसानों को उनकी जमीन की उर्वरकता के बारे में जानकारी देने के लिए वर्ष 2009-10 के दौरान 6075 भूमि स्वास्थय कार्ड उपलब्ध कराये जा गये, जिसमें मिटटी व पानी की गुणवता व उपयुक्त खादों की पूरी जानकारी उपलब्ध होती है । पारम्परिक कृषि से भूमि की उर्वरकता शक्ति में गिरावट आ रही है, इसके लिये ग्रीन मैनयोर पर बल दिया जा रहा है ।

36. कृषि उपज/आमद व बिक्री :- वर्ष 2010-11 के दौरान जिले की सभी 10 कृषि मण्डियों में 731.0 हजार टन गेहूं, 897.6 हजार टन धान, 55.0 हजार टन सब्जियां, 700 टन बाजरा, 1200 टन मक्की की आमद हुई । गेहूं की शतप्रतिशत आमद राज्य सरकार व राज्य सरकार की संस्थायों द्वारा समर्थन मूल्य पर सुनिश्चित की गई । आमद की लगभग 0.14 प्रतिशत खरीद व्यापारियों द्वारा समर्थन मूल्य (1170/- रु0 प्रति किवंटल) से भी अधिक मूल्य पर रही । धान की आमद मे से लगभग 53.54 प्रतिशत व्यापारियों व मिलर्ज़ द्वारा व शेष में से 46.46 प्रतिशत हैफड द्वारा, एग्रो द्वारा, हरियाणा वेयर हाउसिंग कार्पोरेशन द्वारा, राज्य सरकार (खाद्य एंव आपूर्ति विभाग तथा Confed) द्वारा व शेष अन्य संस्थाओं, एफ.सी.आई. सहित द्वारा खरीदा गया ।

खाद्यान भण्डारन हेतू 865 हजार टन की क्षमता वाले सरकारी गोदाम व 29 हजार टन खाद्यान भण्डारन के लिये 27 ठण्डे गोदाम उपलब्ध रहें । बीज, खाद एंव दवाईयों की गुणवता बनाए रखने के लिए बिक्री स्थानों से प्रयाप्त नमूने लिए गयें व फेल पायें गये नमूनों के विरुद्व विक्रताओं के खिलाफ कानूनी कार्यावाही की गई ।

सिंचाई

37. सिंचाई के साधन :- जिला करनाल में काश्त अधीन लगभग शत प्रतिशत क्षेत्र सिंचित है । वर्ष 2009-10 के दौरान 197 हजार हैक्टेयर निबल क्षेत्र (बोये गए निबल क्षेत्र का 100 प्रतिशत) सिंचित रहा । सिंचित निबल क्षेत्र मे से 21.83 प्रतिशत सरकारी नहरों द्वारा व शेष लगभग 78.17 प्रतिशत टयूबवैल व पम्पिंग सैट द्वारा सिंचित रहा । सभी फसलों के अधीन कुल काश्त क्षेत्र 389 हजार हैक्टेयर में से 388 हजार (99.74 प्रतिशत) सिंचित रहा ।

38. फसल अनुसार सिंचित क्षेत्र :- वर्ष 2009-10 के दौरान जिले की मुख्य फसलें गेहूं, धान व गन्ना शत प्रतिशत सिंचिंत रही । केवल दालें व अखाद्यय फसलें ही, जिन में सिंचाई की विशेष आवश्यकता नही होती, असिंचित रही । वर्ष 2009-10 के दौरान जिला करनाल में सिंचाई सघनता 197.0 रही ।

39. प्राकृतिक आपदा :- अत्याधिक वर्षा के कारण व ताजेवाला से यमुना नदी में अधिक जल प्रवाह के कारण बाढ़ का कुप्रभाव पडता रहा है परन्तु वर्ष 2010-11 में जिला करनाल बाढ़ के कुप्रभाव से मुक्त रहा । ओला वृष्टि/अधिक वर्षा से नष्ट फसलों की क्षतिपूर्ति के लिए सरकार प्रभावित किसानों को क्षतिपूर्ति करती रही है ।

पशुपालन / पशुधन

40. पशुधन :- अक्तूबर 2007 की पशुगणना अनुसार जिला करनाल में 555.3 हजार पशु थे । सभी प्रकार के कुल पशुओं में से 22.49 प्रतिशत कैटल (गउधन), 68.61 प्रतिशत भैसें, 0.09 प्रतिशत गधे व खच्चर, 3.13 प्रतिशत भेडें, 2.05 प्रतिशत बकरियां, 0.01 प्रतिशत ऊँट, 1.22 प्रतिशत सूअर, 1.98 प्रतिशत कुत्ते व 0.47 प्रतिशत घोड़े थे ।प्रति हजार व्यक्तियों के विरुद्ध जिला करनाल में 98 पशु (गऊधन), 299 भैसें, 14 भेडें, 9 बकरियां तथा 3690 कुक्कटादि थे । जिले में उपलब्ध पशुधन संख्या से स्पष्ट है कि जिला करनाल हरित क्रान्ति के बाद श्वेत क्रान्ति व यैलो क्रान्ति की ओर शीघ्रता से अग्रसर है । गत कुछ वर्षो में जी0 टी0 रोड पर करनाल फूडस व मार्डन डेरी नामक दुग्ध सयंत्र घी व दुग्ध पदार्थो का उत्पादन कर रहे है । जिला करनाल में उत्पादित दूध अन्य दुग्ध संयत्रों को भी बेचा जा रहा है ।

41. पशु चिकित्सा सेवाएं :- जिला करनाल में वर्ष 2010-11 में 49 पशु चिकित्सा हस्पताल, 134 पशु डिस्पैसरीज के अतिरिक्त भेड व उन विस्तार केन्द्र, पोल्ट्री विस्तार केन्द्र, सूकर विस्तार केन्द्र, केन्द्रीय वीर्य कोष, पशु रोग निरीक्षण प्रयोगशाला कार्यरत रही । कुल 34 पशु चिकित्सक, 156 वी0एल0डी0ए0 सेवारत रहे । वर्ष के दौरान 237 हजार पशुओं का इलाज किया गया ।

42. पशु नस्ल का सुधार करते हुए दूध की मात्रा बढ़ाना :- वर्ष 1970 में साढे चौदह एकड भूमि वीर्य एकत्रण स्टेशन की स्थापना हेतू जी0 टी0 रोड पर खरीदी गई जिसमें वीर्य कोषस्टाक, स्टाफ क्वर्टिर, चारा उत्पादन फार्म, बुल शेडस आदि स्थापित किये गए । इस परियोजना में एक आधुनिक प्रयोगशाला भी स्थापित की गई, जिसका मुख्य उदेश्य उत्तम किस्म के पशु पैदा करना है । हरियाण वीरज व क्रास ब्रेड वीरज से वर्ष 2010-11 के दौरान 64 हजार गाय व मूर्राह वीरज़ से 103 हजार भैंसें कृत्रिम गर्भादान द्वारा गर्भित की गई ।

43.पशु निर्यात :- जिला करनाल उत्तर भारत में संकर नस्ल की बछडियों तथा गायों की विशेष मंडी बन चुका है । जिले में 20 से 30 कि0ग्रा0 दूध देने वाली क्रास ब्रेड गाएं पशुपालकों के पास सामान्य रुप से उपलब्ध है । वर्ष 2009-10 जो कि देसी गायों की नस्ल सुधार में अग्रणी सिद्व हुआ ।

44. तीन रजिर्स्टड पशुवध गृहों :- वर्ष 2010-11 में 2600 भेडें, 3500 बकरियां व 1400 सुअरों का वध वर्ष के दौरान हुआ । पशुधन व कुक्कट रोग निदान एवं आहार विशलेषण प्रयोगशाला, कैटल शो, चारा पदर्शनी प्लाट द्वारा तथा जिले में स्थित पोल्ट्री विस्तार केन्द्र व भेड़ें तथा उन विकास केन्द्र के माध्यम से भी पशुपालकों को सेवाएं प्रदान की गई ।

मछलीपालन

45. ग्रामीण तालाब जो अधिकतर नहाने, कपड़े धोनें एवं पशुओं को पानी पिलाने के लिये प्रयोग में लायें जाते थे, आजकल उनका प्रयोग मछली पालन हेतू किया जाता है । मछली पालन आय का एक अच्छा साधन है । जिसमें खर्च कम व आय अधिक होती है । हरियाणा राज्य में सर्वप्रथम जिला करनाल में मत्स्य विकास एजैसी वर्ष 1976-77 में स्थापित की गई जिससे मछली पालन को बढ़ावा मिल रहा है । वर्ष 2010-11 में 7364 टन मछली का उत्पादन हुआ और 2386.35 लाख रु0 की आय हुई ।

46. जिला करनाल में 1405 हैक्टेयर सम्भूत क्षेत्र था । वर्ष के दौरान 250 मछली पकडनें के लाईसैंस जारी किये गए । वर्ष के दौरान 40 बिना लाईसैंस के मछली पकड़ने वाले केस दर्ज हुए जिनसे 400 रु0 का मुआवजा वसूला गया । निजि क्षेत्र में 360 लाख मछली बीज उत्पादित रहा । वर्ष के दौरान मछली उत्पादन बढानें के लिये 60 नये व्यक्तियों को दस दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया व 20 सूत्री कार्यक्रम के नियत लक्ष्य भी प्राप्त किये गये तथा कृषकों को एफ.एफ.डी.ए. द्वारा 8.10 लाख रु0 की अनुदान राशि प्रदान की गयी ।

विद्युत

47. उपभोग/उपलब्धता :- जिला करनाल में मास मार्च 2011 तक 11810 एल.टी. लाईनें व 7479 कि.मीटर - 11 किलो वाट की लाईनें तथा 58030 ट्रासफार्मर उपलब्ध थे । सरकार मांग अनुसार आपूर्ति के निरन्तर प्रयास करती रही है । वर्ष 2009-10 के दौरान कुल 13075 लाख किलोवाट बिजली की खपत रही । जिसमें से लगभग 65.50 प्रतिशत सिंचाई के लिये, 65447 नलकूपों द्धारा प्रयोग की गई । 12.64 प्रतिशत बिजली की खपत घरेलू उपयोग में रही जिसके लिये 195874 कनैक्शन/संयोजक स्वीकृत थे । उद्योगो द्वारा 14.56 प्रतिशत, वाणिज्यक प्रतिष्ठानों द्वारा 4.32 प्रतिशत बिजली व्यय की गई ।

48. विस्तार :- मांग अनुसार विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिये विद्युत प्रसार निगम राज्य सरकार के दिशा निर्देशानुसार प्रयासरत रहा है । विद्युत वितरण के दौरान हो रही लीकेज को न्यूनतम स्तर पर लाने व बिजली की चोरी को रोकने के लिये वर्ष 2010-11 के दौरान गम्भीर प्रयास किये गए, फलस्वरुप बिजली चोरी के 2512 उपभोक्ता पकडें गये, और 215 लाख रुपये का जुर्माना लगाकर 112 लाख रुपये तत्काल मौके पर प्राप्त किये गए । ट्रासफारमरों की क्षमता में सुधार किया गया व कृषि सिंचाई के लिये वर्ष के दौरान 1471 नलकूपों को नये कनैक्शन दिये गए ।

खनिज पदार्थ तथा उद्योग

49. खनिज उत्पादन :- जिला करनाल में कोई प्राकृतिक सम्पदा नही है । जिला करनाल में केवल रेत ही निकलती है जो यमुना नदी के किनारों पर ही मिलती है । खान व भूगर्भ विभाग को वर्ष 2009-10 के दौरान निजि ठेकेदारों से रायलटी के विरुद्ध 282.15

लाख रुपये की अनुबन्ध राशी प्राप्त हुई । ईन्ट भटटों मालिकों से जिला करनाल में सरकार को 9.75 लाख रुपये की रायलटी प्राप्त हुई ।

50. लघु उद्योग :- जिला करनाल में वर्ष 2010 में धारा-2 एम-I के अधीन 391, धारा-2 एम-II के अधीन 6, धारा-85 के अधीन 71 रजिस्टर्ड फैक्टरियां थी, जिनमें लगभग 28430 कार्यकर्ता थे । वर्ष 2010-11 तक लघु उद्योगो की संख्या 2797 थी, वर्ष के दौरान 39 यूनिट स्थापित हुए एवं 172 कार्यकर्ता नियुक्त हुए । रोजगार में लगे हुए कुल व्यक्तियों की संख्या 27615 थी । 31.03.2010 तक बड़े एवं मध्यम वर्ग के 34 यूनिटों में 3035 कार्यकर्ता थे ।

51. औद्यौगिक सम्पदा :- राज्य सरकार राज्य में उद्यौगों को प्रोत्साहन देने हेतू विभिन्न औद्यौगिक सम्पदा क्षेत्र स्थापित करती है । इन सम्पदाओं में उद्योग लगाने हेतू उद्यमियों को औद्यौगिक शैड, प्लांट, परिवहन, Technical knowhow, प्रशिक्षण, जल एवं वित्तीय सहायता का लाभ मिलता है । इस प्रकार के औद्यौगिक सम्पदा केन्द्र नीलोखेडी में 16 प्लाट एवं 14 शैड, कोहण्ड में 8 प्लाट व करनाल में 37 प्लाट है । एच0एस0आई0डी0सी0 के 235 विकसित प्लाट थे । ये सभी प्लाट (लगभग 99 प्रतिशत) आबंटित किये जा चुके है ।

52. प्रधानमंत्री रोजगार योजना :- प्रधानमंत्री रोजगार योजना के अन्तर्गत पढें लिखे पात्र बेरोजगार युवकों एवं युवतियों को एक लाख रु0 तक की राशी 5 प्रतिशत मार्जिन मनी एवं सबसीडी के साथ कर्ज के रुप में दी जाती है । इस योजना के अन्तर्गत वर्ष 2010-11 में 1280 केस बैकों को प्रायोजित किये गए । वर्ष के दौरान 690 केस स्वीकृत हुए व 670 केसों के विरुद्ध ऋण वितरित किया गया एवं 715 व्यक्तियों को प्रशिक्षण दिया गया ।

53. औद्यौगिक उत्पादन :- कृषि उपकरणों के उत्पादन हेतू जिले में लगभग 300 लघु उद्योग व चावल उत्पादन हेतू 270 शैलर स्थित है जिला करनाल की चमडे के जूतों एवं चमडे के अन्य सामान के लिये विशेष पहचान है । लिबर्टी समूह मुख्य है । इस उद्योग में निर्मित जूते पूरे विश्व में निर्यात किये जाते है । जिसका वार्षिक उत्पादन लगभग 280 करोड रुपये प्रति वर्ष है, लगभग 1200 करोड रुपये का निर्यात मुख्यत: चावल, कृषि यन्त्र, दूध उत्पाद व जूतों के लिए, सउदी अरेवीय, गल्फ देश यूरोप, कुवैत, अमीरात, नेपाल व पाकिस्तान को किया गया ।

सडक तथा परिवहन

54. सडकों की लम्बाई :- सड़कों के निर्माण एवं रख रखाव हेतू लोक निर्माण विभाग पूर्ण रुप से कार्यरत है । जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग नं0-1 (शेरशाह सूरी मार्ग) की कुल लम्बाई 52 कि0मी0 है । इसके अतिरिक्त राज्य सरकार की प्रत्येक सडक प्रत्येक गांव तक पहले ही पक्की हो चुकी है । जिनकी कुल लम्बाई 1551 कि0 मी0 है । सभी सडकों के सुधारीकरण का कार्य प्रगति अधीन रहा ।

55. राज्य परिवहन :- वर्ष 2010-11 के दौरान हरियाणा राज्य परिवहन करनाल की 168 बसों द्वारा 211.35 लाख कि0 मी0 यात्रा की सुविधा उपलब्ध करवाई गई । कुल 4223.60 लाख रु0 की प्राप्तियां व 5576.73 लाख रु0 व्यय हुए । नियमित रुप से यात्रा करने वाले दैनिक यात्रियों की संख्या 5667 थी ।

56. सडक दुघर्टनाऐं :- वर्ष 2010 के दौरान 601 दुघर्टनाऐं घटित हुई जिसमें 601 गाडियां संलिप्त थी । कुल 284 व्यक्तियों की मृत्यु हुई व घायल व्यक्तियों की संख्या 522 रही ।

57. रेलवे स्टेशन :- जिला करनाल में 7 रेलवे स्टेशन है व जिले की सीमा में रेलवे लाईनों की लम्बाई लगभग 45 कि0मी0 है ।

संचार

58. डाकघर :- 31 मार्च, 2010 तक जिले करनाल में कुल 164 डाकघर सेवारत थे । प्रति लाख व्यक्तियों के पीछे औसतन 13 डाकघर की उपलब्धता रही ।

59. जनसंचार :- करनाल जिले के मुख्यालय से हिन्दी में 31 साप्ताहिक, 40 पाक्षिक व 16 मासिक समाचार पत्र/पत्रिकाएं प्रकाशित होते हैं । मुख्य दैनिक समाचार पत्रों के जिला करनाल परिशिष्ट भी प्रकाशित हो रहें है ।

60. दूरभाष :- जिले में दूरभाष सुविधा का निरन्तर विस्तार हो रहा है । वर्ष 2010-11 तक जिले के शहरी क्षेत्र में BSNL के लगभग 50000 निजि दूरभाष व 398 सार्वजनिक टेलिफोन घर थे, जो 51 टेलीफोन केन्द्रों से जुडे हुए थे । इस क्षेत्र में अन्य अनेक सार्वजनिक कम्पनियों के योगदान से मोबाईल फोन व दूरभाष सुविधा जनसामान्य को सुलभ है ।

श्रम तथा रोजगार

61. रोजगार केन्द्र :- वर्ष 2010 तक जिला करनाल में संजीव रजिस्टरों पर उपलब्ध बेरोजगार व्यक्तियों की संख्या 67334 थी । जिले में शाखाओं सहित रोजगाार कार्यालयों की संख्या 3 है । वर्ष 2010 के दौरान 9550 व्यक्तियों ने पंजीकरण करवाया व 312 की नियुक्ति हुई । 429 रिक्त स्थानों की अधिसूचना जारी की गई जबकि 352 रिक्त स्थान भरे गए जिसके लिये 1038 व्यक्तियों ने आवेदन किया । सार्वजनिक क्षेत्र में 27678 व्यक्ति एवं निजि क्षेत्र में 9136 व्यक्ति रोजगार अधीन थे ।

62. एक परिवार एक रोजगार :- वर्ष 2010 के दौरान 148 प्रार्थियों का पंजीकरण हुआ तथा 31 मार्च 2009 तक 2510 प्रार्थी इस योजना के अधीन पंजीकृत थे, वर्ष के दौरान 10 प्रार्थियों की नियुक्ति हुई ।

63. बेरोजगारी भत्ता :- शिक्षित बेरोजगारों को वर्ष 2010-11 के दौरान संशोधित स्कीम अनुसार कुल 73,89,350 रुपये की राशी वितरित की गई । कुल 3036 लाभार्थियों में से 1328 स्नातक/स्नातकोतर व 1708 मैट्रिक तथा सिनियर सैकण्डरी पास हैं ।

64. औद्यौगिक झगड़े :- श्रमिक संघ अधिनियम 1926 के अधीन जिला करनाल में 77 श्रमिक संघ थे जिनकी सदस्यता 22809 थी । वर्ष 2010 के दौरान कुल 51 औद्यौगिक झगडें दर्ज किये गए ।और किसी भी स्थान पर हडताल और तालाबन्दी नही रही ।

65. वाणिज्यिक प्रतिष्ठान :- जिला करनाल में वर्ष 2010 तक कुल 4949 प्रतिष्ठानों में 5171 कर्मचारी कार्यरत थे, जिन में से 4863 दुकानों में 4848 कर्मचारी, 73 वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में 245 कर्मचारी, 13 होटल व जलपान गृहों में 78 कर्मचारी शामिल रहें ।

सहकारिता

66. वर्ष 2010-11 में जिला करनाल में सभी प्रकार की कुल 1111 सहकारी समितियां थी, जिनकी सदस्य संख्या 327244 रही ।

67. वर्ष के अन्त तक इन समितियों की जिसमें डेयरी एंव दुग्ध-पूर्ति समितियां शामिल नही है, 10026 लाख रुपये हिस्सा पूंजी व 177340 लाख रु0 कार्य पूंजी थी । इन समितियों में जिला करनाल के प्रति व्यक्ति 11773 रु0 की कार्य पूंजी थी । प्रति लाख व्यक्तियों पर समितियो की संख्या 74 थी व प्रति हजार व्यक्तियों के विरुद्ध समितियों के सदस्यों की संख्या 217 थी ।

68. कुल 1111 सहकारी समितियों में से 4.4 प्रतिशत कृषि ऋण समितियां, 9.3 प्रतिशत गैर कृषि ऋण व 2.9 प्रतिशत आवास समितियां थी ।

69. केन्द्रीय सहकारी बैंक करनाल व इसकी 46 शाखाओं में वर्ष 2010-11 के दौरान 28868 लाख रुपये जमा हुए । वर्ष के दौरान 68589 लाख रु0 के ऋण दिये गए, व कार्य पूंजी 75700 लाख रु0 रही ।

70. वर्ष 2010-11 के दौरान प्राथमिक भूमि विकास बैंक के जिले में 48000 सदस्य थे व हिस्सा पूंजी के अर्न्तगत 93.99 लाख रु0 सरकारी शेयर व 633.84 लाख रु0 प्राईवेट शेयर था । कुल कार्य पूंजी 15077.50 लाख रु0 थी । वर्ष के दौरान कुल 2878.07 लाख रु0 के कर्ज दिये गए तथा गत वर्षो में दिए गए ऋण के विरुद्ध 3982.69 लाख रु0 वसूल किए गए ।

बैंक

71. जिला करनाल में मार्च 2011 तक कुल 221 बैंक शाखाएं थी जिसमें करनाल सैंट्रल कोपरेटिव बैंक की 56 शाखाऐं और 1 शाखा भूमि विकास बैंक की तथा एक शाखा हरियाणा वित्तीय निगम की शामिल है । वाणिज्यिक बैंकों की कुल 167 शाखाऐं सेवारत रही ।

72. जिले में वाणिज्यिक बैकों की शाखाओं का तुलनात्मक अध्ययन करें तो जिले में कार्यरत 167 बैंक शाखाओं में से 35 पंजाब नैशनल बैंक की, स्टेट बैंक आफ इण्डिया व स्टेट बैंक आफ पटियाला की क्रमश: 16 व 15 शाखाऐं थी । सैंट्रल बैंक आफ इण्डिया की 9 शाखाओं के अतिरिक्त शेष 92 शाखाऐं विविध बैंकों की सेवारत थी ।

73. बैकों का ऋण जमा अनुपात :- जिला करनाल में वर्ष 2010 के अन्त तक जिले के सभी बैकों में कुल जमा राशी 4181 करोड़ रुपये तथा 5959 करोड़ रुपये के ऋण रहे । अत: ऋण-जमा अनुपात 142.53 रहा ।

74. ग्रामीण क्षेत्रों में 13175 व शहरी क्षेत्रों में 5072 व्यक्तियों के विरुद्ध औसतन एक वाणिज्य बैंक शाखा उपलब्ध थी, जबकि जिला करनाल के विरुद यह औसत 7230 है ।

शिक्षा

75. विद्यालय तथा महाविद्यालय :- वर्ष 2009-10 के दौरान जिला करनाल में 805 प्राथमिक, 166 माध्यमिक तथा 344 उच्च व वरिष्ठ माध्यमिक मान्यता प्राप्त विद्यालय शिक्षा प्रदान कर रहे थे । सेवारत कुल 6392 अध्यापकों में से 1243 प्राथमिक, 952 माध्यमिक व 4197 उच्च एवं वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में थे ।

76. वर्ष 2009-10 के दौरान कुल 268324 विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे थे जिन में से 39887 (14.86) प्रतिशत विद्यार्थी प्राथमिक स्तर के विद्यालयों में, 66510 (24.78 प्रतिशत) माध्यमिक विद्यालयों में तथा शेष 161927 (60.36 प्रतिशत) उच्च एवं वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षा प्राप्त कर रहे थे ।

77. कुल 268324 विद्यार्थियों में से 77395 विद्यार्थी (28.84 प्रतिशत) अनुसूचित जाति से सम्बन्धित थे ।

मान्यता प्राप्त विद्यालयों का ब्यौरा

श्रेणी	विद्यालयों की संख्या	विद्यार्थियों की संख्या		अध्यापकों की संख्या
		कुल	अनुसूचित जाति के	
प्राथमिक	805	39887	7364	1243
माध्यमिक	166	66510	20160	952
उच्च/वरिष्ठ	344	161927	49871	4197
जोड	1315	268324	77395	6392

78. वर्ष 2009-10 के दौरान जिला करनाल में प्रति अध्यापक विद्यार्थियों की औसत संख्या प्राथमिक स्तर तक 32, माध्यमिक स्तर तक 70 व उच्च व वरिष्ठ माध्यमिक स्तर तक 52 थी ।

79. स्कूल अनौपचारिक शिक्षा हेतू समेकेतिक बाल विकास परियोजना के अधीन 1040 आंगनवाडी केन्द्रों द्वारा 31240 बच्चों को लाभविन्त किया गया ।

80. उच्च शिक्षा प्रदान करने के लिये जिले में 5 राजकीय, पांच ही सरकार से सहायता प्राप्त व चार गैर सहायता प्राप्त महाविद्यालय है । वर्ष 2009-10 के दौरान 9843 विद्यार्थियों ने कला, विज्ञान व गृह विज्ञान में स्नातक तक की शिक्षा मान्यता प्राप्त महाविद्यालयों से ग्रहण की, जिनमें से लगभग 13.15 प्रतिशत विद्यार्थी अनुसूचित जाति से सम्बन्धित थे ।

81. **व्यवसायिक शिक्षा :-** हरियाणा बहुतनीकी संस्थान, नीलोखेडी द्वारा सत्र 2010-11 में 1070 विद्यार्थियों को सिविल, मकेनिकल, इलेक्ट्रीकल, इलेक्ट्रोनिकस व कम्पयूटर शिक्षा आदि में डिप्लोमा स्तर की शिक्षा प्रदान की गई ।

82. औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में वर्ष 2010-11 के दौरान लगभग 900 छात्र छात्राओं को वेल्डिंग, बढ़ई गिरी, स्टेनोग्राफी, सिलाई, ड्राफ्टमैनशिप, टरनर, फिटर, रैफीजरेशन आदि का प्रशिक्षण दिया गया ।

83. व्यवसायिक शिक्षा संस्थान वर्ष 2009-10 से बन्द कर दिए गये है ।

84. **सर्व शिक्षा अभियान :-** 6-14 आयु वर्ग के प्रत्येक बच्चे को सुगमता से शिक्षा का अवसर उपलब्ध करवाने के लिए केन्द्रीय व राज्य सरकार के सामूहिक प्रयास से प्रारम्भिक शिक्षा की सार्वभौगीकरण निति के अर्न्तगत वर्ष 2001 से जिले में योजना बद्व तरीके से सर्वशिक्षा अभियान की शुरुआत हुई । इसी क्रम: में वर्ष 2011-12 के दौरान सभी सरकारी स्कूलों में आधार भूत संरचनाओं के निर्माण, सुधारीकरण पर व अध्यापकों के ज्ञान व सज्ञांन में वृद्वि पर बल दिया गया ।

वर्ष 2011-12 के दौरान कुल 4071.66 लाख रुपये उपलब्ध रहे, जिसमें से 3636.15 लाख रुपये विभिन्न स्वीकृत मदों पर बुक हुये तथा 435.51 लाख रुपये अग्रिम वर्ष में व्यय के लिए शेष बचे रहे ।

वर्ष के दौरान कार्यरत अध्यापकों को प्रशिक्षण प्रदान करने पर व प्रशिक्षण सामग्री खरीदने पर 15.52 लाख, रुपये व्यय किये गयें, ताकि दी जानी वाली शिक्षा में गुणात्मक सुधार

लाया जा सकें । गरीब छात्र/छात्राओं को 167.00 लाख रुपये की मुफ्त पाठ्य पुस्तकें वितरित की गयी ।

जिले के सभी स्कूलों के रखरखाव व मुरम्मत के लिए भी 57.12 लाख रुपयें की राशी खर्च की गयी 1461.71 लाख व्यय कर स्कूलों में अतिरिक्त कमरों की व्यवस्था सुनिश्चित की गई ।

स्कूलों में पेयजल व शोचालय की व्यवस्था के लिए वर्ष 2011-12 के दौरान 19.76 लाख रुपये उपलब्ध करवाये गए।

सरकार द्वारा नियुक्त अध्यापक अमले को वेतन में भुगतान के लिए भी 1075.10 लाख रुपयें का योगदान दिया गया ।

चार मुख्य नवाचार गतिविधियों (कम्पयूटर शिक्षा, बचपनशाला, बालिका शिक्षा तथा अनुसूचित जाति से सम्बन्धित बालाओं की शिक्षा) को सुदृढ़ किया गया ।

85. सतत् शिक्षा कार्यक्रम :- उत्थान साक्षरता समिति के माध्यम से जिला प्रशासन ने साक्षरता अभियान के प्रथम चरण में (अगस्त 1998 से जनवरी 2002 तक) एक लाख से अधिक निरक्षरों को साक्षरता से जोड़ा । द्वितीय चरण में (अप्रैल 2002 से जुलाई 2004 तक) जन चेतना केन्द्रो पर नवसाक्षरों के अर्जित ज्ञान को स्थाई करने, उन्हें विकास योजनाओं व कौशल विकास से जोड़कर उनका जीवन स्तर बेहतर बनाने, लक्षित ग्रुप के बचे हुए निरक्षरों का साक्षर बनाने तथा सामाजिक जागरुकता बढ़ाने का प्रयास किया गया । द्वितीय चरण में साक्षरता के क्रियात्मक पक्ष पर अधिक बल रहा ।

अप्रैल 2005 से जिला के सतत् शिक्षा कार्यक्रम को राष्ट्रीय साक्षरता मिशन का अनुमोदन प्राप्त है । तीसरे व अंतिम चरण में नवसाक्षरों सहित समस्त समुदाय को सीखने सीखाने के जीवन प्रयन्त अवसर उपलब्ध करवाने, साक्षरता एंव शिक्षा के सर्वव्यापीकरण व वंचित वर्गो को विकास से जोड़कर उनका जीवन स्तर बेहतर बनाने के उद्देश्य अधीन कुल 46 नोडल केन्द्र व 463 सतत् शिक्षा केन्द्रो के संचालन का प्रावधान है । जिला करनाल देश के उन जिलों में शामिल है, जिन में साक्षरता अभियान के तीनों चरण निरन्तरता में सफलता पूर्वक चलाये जा रहे है । 31 मार्च, 2011 तक जिलें मे कुल 30 नोडल केन्द्र व 243 सतत शिक्षा केन्द्र स्थापित हो चुके है ।

चिकित्सा एवं जन-स्वास्थय

86. स्वास्थय सेवाऐं :- राज्य सरकार के अधीन जिला करनाल में वर्ष 2010-11 तक 2 अस्पताल, 25 प्राथमिक स्वास्थय केन्द्र, 12 डिस्पैसरीज, 5 सामुदायिक स्वास्थय केन्द, 141 उपकेन्द्र कार्यरत थे । 27 आयुर्वेदिक, यूनानी व होम्योपैथिक संस्थाओं ने 433624 रोगीयों को सेवाऐं प्रदान की । वर्ष के दौरान 46467 अंतरंग, 815924 बाह्य रोगियों का इलाज किया गया । जिला करनाल की विभिन्न सरकारी चिकित्सा संस्थाओं में 242 पुरुषों व 232 स्त्रियों के लिये कुल 474 रोगी बिस्तर उपलब्ध थे ।

87. परिवार कल्याण केन्द्र :- जिला करनाल में 6 परिवार कल्याण केन्द्रो के अन्तर्गत 4533 नसबंदी व नल बन्दी ओप्रेशन किये गए 13226 स्त्रियों को लूप/कोपरटी लगाए गए । इसके अतिरिक्त 8050 संरक्षित दम्पति ओ.पी. यूजर व 16510 सी.सी. यूजरज रहे।

जिला करनाल में प्रत्येक संस्था के विरुद्ध 14 वर्ग कि0मी0 क्षेत्रफल था एवं एक लाख आबादी के पीछे 13 संस्थाएं कार्यरत थी तथा एक लाख आबादी के लिये 33 रोगी बिस्तर उपलब्ध थे ।

88. बच्चो का टीका करण :- वर्ष 2010-11 के दौरान टीका करण कार्यक्रम के अन्तर्गत लगभग सभी लक्ष्य पूरे करते हुए 33682 बच्चों को डी0 पी0 टी0, 33682 बच्चों को पोलियो तथा 34711 को बी0सी0जी0 व 33070 बच्चों को खसरे के टीके लगाये गए ।

89. पेयजल सुविधा :- पेयजल का स्वास्थय से सीधा सम्बन्ध है । सभी गावों में शुद्ध जल आपूर्ति की सेवा उपलब्ध है । जिले में कोई भी समस्यायुक्त गावं शेष नहीं है । वर्ष 2010-11 के दौरान प्रतिदिन प्रति व्यक्ति पेयजल की उपलब्धता में बढ़ौतरी के प्रयास जारी रहे व 20 सूत्री कार्यक्रम के अन्तर्गत भी 46 गावों के लक्ष्य के विरुद्ध 46 गावों में स्वच्छ पेयजल की क्षमता 45 लीटर से बढाकर 55 लीटर की गई ।

90. केन्द्र सरकार की सहायता से जिला करनाल में सैक्टर सुधार कार्यक्रम प्रगति पर रहा । वर्ष 2010-11 तक केन्द्रीय सरकार से 864.12 लाख रुपये की अनुदान राशि व 85.92 लाख रुपये ग्रामवासियों के अंशदान से प्राप्त कर चयनित गांवों में समूचित स्वच्छ पेयजल आपूर्ति का कार्य प्रगति पर रहा ।

जन कल्याण

91. स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना :- 454 परिवारों को गरीबी के स्तर से उपर उठाने के लिए 295.15 लाख रुपये के ऋण व 94.95 लाख रुपये की अनुदान राशी प्रदान की गई । वर्ष के दौरान लाभंवन्ति परिवारों में से 54.18 प्रतिशत परिवार अनुसूचित जाति के रहे तथा 86.56 प्रतिशत महिला लाभार्थी रही ।

92. नरेगा:- महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी एक्ट के अधीन 598.04 लाख रु0 खर्च कर के 2.61 लाख मानव दिवस के बराबर रोजगार दिया गया। स्कीम के अर्न्तगत 23078 जॉब कार्ड बनाए गये है ।

93. स्वर्ण जयन्ती शहरी रोजगार योजना :- वर्ष 2010-11 के दौरान 1062 लाभार्थियों को स्वयं का रोजगाार स्थापित करने के लिए बैंक ऋण व अनुदान राशि से लाभाविन्त किया गया । लाभाविन्त परिवारों में से 399 (26.58 प्रतिशत) परिवार अनुसूचित जाति के व 412 (28.62 प्रतिशत) महिला लाभार्थी रिकार्ड की गयी ।

94. अक्षय उर्जा विकास कार्यक्रम :- वर्ष 2010-11 के दौरान यह कार्यक्रम समन्वित ग्रामीण उर्जा कार्यक्रम के अधीन चला व लगभग शतप्रतिशत भौतिक व आर्थिक लक्ष्य प्राप्त करते हुए 32 डीश टाईप सोलर कुकर, 1575 सी. एफ. एल. टयूब, 14 समरसीबल मोटर पम्प सैट, 250 सौलर होम लाईट, 210 सौलर स्ट्रीट लाईट, 212 टयूब लाईट तथा 6100 वाटर हिटिगं सिस्टम योग्य प्रार्थियों को प्रदान किए गये ।

95. इन्दिरा आवास योजना में वर्ष 2010-11 के अर्न्तगत 1108 के लक्ष्य के विरुद्ध 982 मकान पात्र परिवारों को उपलब्ध करवाये गये । जिन में से 607 परिवार अनुसूचित जाति के थे ।

96. हरियाणा हरिजन वित्त एवं विकास निगम :- 740 परिवारों/व्यक्तियों को गरीबी के स्तर से उपर उठाने के लिये वर्ष 2010-11 के दौरान 375.12 लाख रु0 की आर्थिक सहायता प्रदान की गई, जिस में 70.19 लाख रुपयें की अनुदान राशी शामिल है ।

97. हरियाणा महिला विकास निगम:- वर्ष 2010-11 के दौरान 192 पात्र महिलाओं के उद्यम स्थापित करवाये गये । बैकं ऋण के अतिरिक्त 11.15 लाख रुपये की अनुदान राशी व मार्जन मनी प्रदान की गई ।

98. हरियाणा पिछड़े वर्ग के एवं आर्थिक रुप से कमजोर वर्ग कल्याण निगमः- वर्ष 2010-11 के दौरान पिछड़े वर्ग के 119 व्यक्तियों को कुल 59.50 लाख रुपये की ऋण राशी से लाभावन्तित किया गया । जिसमें 20 विकलांग जनों को 10.00 लाख रुपये की ऋण राशी मात्र 4.5 प्रतिशत की ब्याज दर पर उपलब्ध करवायी गयी ।

99. **वद्धावस्था एवं अन्य पैंशनः-** वर्ष 2010-11 के दौरान 84605 वृद्धों को 5152.69 लाख रुपये की, 35197 विधवाओं को 3012.66 लाख रुपये की तथा 9804 विकलांग व्यक्तियों को 668.81 लाख रुपये की पैंशन उपलब्ध करवाई गयी ।

100. **इन्दिरा गांधी प्रियदर्शनी** विवाह शगुन स्कीम दिनांक 14.05.2005 से कन्यादान स्कीम में विस्तार के साथ आरम्भ कर वर्ष 2010-11 में 1008 योग्य पात्रों की 166.37 लाख रु0 की धनराशि से लाभावन्तित किया गया ।

101. **मकान अनुदान योजना** के अधीन 230 अनुसूचित जाति व 20 विमुक्त जाति के परिवारों को अपना पक्का मकान बनाने के लिए 50,000 रु0 प्रति परिवार की दर से 125.00 लाख रुपये उपलब्ध करवाये ।

102. **अत्याचार विरुद्व सहायता योजना** के अर्न्तगत यदि गैर अनुसूचित जाति के व्यक्ति अनुसूचित जाति के सदस्यों पर अत्याचार करते है तो कानूनी कार्यवाही के साथ साथ पीड़ित व्यक्ति को 2,00,000 रुपये तक की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है । वर्ष 2010-11 में 6 पीडित परिवारों को 1,37,500 रुपये उपलब्ध करवाये गये ।

103. **नगर सुधार मण्डलः-** वर्ष 2010-11 के दौरान विभिन्न विकास/निर्माण कार्यो पर लगभग 24.44 लाख रुपये व्यय किये गयें । खर्च की गयी राशी में से नगर निगम एरिया की सडकों के सिमेन्ट/कंकरीट निर्माण तथा 2 तारकोल की सडकों की मुरम्मत पर 24.44 लाख रुपये का खर्च शामिल है । वर्ष 2010-11 के दौरान नगर निगम क्षेत्र के अतिरिक्त नगर सुधार मण्डल क्षेत्र के अर्न्तगत सडकों के निर्माण व मुरम्मत पर कुल 85.02 लाख रुपये व्यय किये गयें ।

वर्ष 2010-11 के दौरान जिला रैडक्रास सोसायटी द्वारा 254 विकलांग व्यक्तियों को 2.49 लाख रुपये व्यय कर कृत्रिम अंग/उपकरण निशुल्क प्रदान किये तथा भौतिक चिकित्सा ईकाई द्वारा 1276 असहाय व्यक्तियों की निशुल्क चिकित्सा की गयी । भारत सरकार के सामाजिक न्याय व सशक्तिकरण मन्त्रालय के सौजनय से 3.64 रुपयें

व्यय कर विकलांग व्यक्तियों को 80 ट्राईसाईकल, 10 व्हील चेयर व 100 श्रवण यंत्र उपलब्ध करवाये । असहाय तथा अति निर्धन व्यक्तियों को दवाईयां खरीदने के लिए 190567 रुपये व अन्य आर्थिक मांग की पूर्ति के लिए 203513 रुपये उपलब्ध करवायें गयें ।

वर्ष 2010-11 में 38 रक्तदान कैम्प आयोजित किये गये जिसमे 2538 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया ।

भूतपूर्व सैनिकों की विधवाओं सहित अन्य निर्धन विधवाओं को उनकी लड़की के विवाह उत्सव पर कन्यादान स्वरुप कुल 31500 रु0 उपलब्ध करवायें तथा जनकल्याण में लगी अन्य संस्थाओं को भी आर्थिक सहायता प्रदान की गयी ।

जिला रैडक्रास सोसाईटी करनाल द्वारा 40 गरीब व निर्धन महिलाओं को वर्ष 2009-10 में सिलाई व कढ़ाई का प्रशिक्षण देकर आत्म निर्भर किया गया ।

वर्ष 2009-10 में सेन्ट जॉन एम्बुलैंस द्वारा 12599 विद्यार्थियों को फर्स्ट एड़ तथा 2996 छात्र/छात्राओं को गृह परिचर्चा में प्रशिक्षित किया गया ।

105. समेकित बाल विकास परियोजना:- वर्ष 2010-11 में जिले में कार्यरत 1040 आंगनवाडियों द्वारा 68717 बच्चों एवं 18275 माताओं को पूरक पोषाहार उपलब्ध करवाया गया । 28617 बच्चों (3 से 6 वर्ष तक) को स्कूल पूर्व की अनौपचारिक शिक्षा से लाभावन्तित किया गया । बालिका समृधि योजना के अधीन व भारत सरकार द्वारा प्रयोजित किशोरी शक्ति योजना के अधीन बालिका मण्डलों के माध्यम से किशोर बालिकाओं को शिक्षित/प्रशिक्षित किया गया । स्वास्थय विभाग से सामंजसय स्थापित कर रोग प्रति रक्षक टीका करण व गर्भवती महिलाओं व बच्चों को स्वास्थय सेवाऐं उपलब्ध करवाने में भी सराहनीय कार्य किया गया । 20 अगस्त 2005 से शुरु लाडली स्कीम के अन्तर्गत 1473 जन्मी कन्याओं को लाभावन्तित किया गया, यह स्कीम जन-जन में लोक प्रिय हो रही है ।

विविध

106. नगरपालिका:- जिले में स्थित करनाल शहर की नगर परिषद व अन्य पांच नगर पालिकाऐं अपने-अपने क्षेत्र में विकास कार्य करवाने व सार्वजनिक मूलभूत सरंचनाओं के निमार्ण में अग्रसर रही । वर्ष 2009-10 के दौरान उनकी आय व व्यय निम्न प्रकार रही ।

क्रमांक	नगर निगम/नगरपालिका का नाम	आय (लाख रुपये)	व्यय (लाख रुपये)
1.	करनाल	2875.45	2349.36
2.	असन्ध	714.05	381.93
3.	घरौण्डा	301.41	240.68
4.	इन्द्री	86.53	84.48
5.	नीलोखेडी	82.52	71.41
6.	तरावडी	187.18	180.40
7.	निसिंग	812.93	6.34
	जोड़	5060.07	3314.60

107. पंचायत समितियां व ग्राम पंचायतें :- सामुदायिक विकास खण्डों में वर्ष 2009-10 के दौरान जन सामान्य के लिए अधारभूत सुविधाओं की सरंचना का विकास कार्य प्रगति पर रहा । वर्ष 2009-10 के दौरान कुल व्यय निम्न प्रकार रहा ।

.....उपलब्ध नही...

	विकास खण्ड का नाम	व्यय (रुपये 000 में)	
		पंचायत समिति	ग्राम पंचायतें
1.	करनाल	2558	66436
2.	असन्ध	5546	34890
3.	घरौण्डा	5103	88137
4.	इन्द्री	9356	115244
5.	नीलोखेडी	5307	99388
6.	निसिंग	7283	54022
	जोड़	35153	458118

108. राजस्व :-

क-रजिस्ट्रीकरण:- वर्ष 2008-09 में जिला करनाल में रजिस्ट्री कार्यालयों की संख्या 9 थी, जिनमें 26851 सम्पत्तियों की रजिस्ट्री हुई । अन्तरित सम्पत्तियों का कुल मूल्य 142818.38 लाख रु0 था । इससे सरकार को 588.38 लाख रु0 की आय हुई ।

ख-आबकारी:- हरियाणा बिक्रीकर अधिनियम/वैट के अधीन वर्ष 2010-11 के दौरान 9857 निर्धारितियों से 56692.76 लाख रु0 प्राप्त किये, जबकि केन्द्रीय बिक्री कर अधिनियम 1956 के अर्न्तगत 3279.41 लाख रु0 की आय हुई ।

109. सार्वजनिक वितरण प्रणाली:- जिले में 582 डिपूओं के माध्यम से नियंत्रित आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति 344688 राशन कार्ड धारकों को सुनिश्चित की गयी । कुल 344688 राशन कार्ड धारकों में से 55936 (16.23 प्रतिशत) गरीबी के स्तर से नीचे जीवन यापन वाले व 14260 (4.14 प्रतिशत) अति निर्धन (ए.ए.वाई.) वाले थे । 15 गैस एजैसियों द्वारा उपभोगताओं को कुकिंग गैस नियमित रुप से उपलब्ध रही । पेट्रोल व डीजल की सामान्य पूर्ति 91 पैट्रोल पम्पों के माध्यम से सुनिश्चित रही । सार्वजनिक वितरण प्रणाली को प्रभावी बनाने के लिए उचित मुल्य की दुकानों/राशन डिपूओं, गैस एजैन्सियों तथा पैट्रौल पम्पों की नियमित जांच की जाती रही तथा अनियमितताऐं पाये जाने पर दोषियों के विरुद्व कानूनी कार्यवाही की गयी ।

110. पुलिस और अपराध:- जिले में सोहार्दपूर्ण व शान्तिमय वातावरण सुनिश्चित करने के लिये जिला प्रशासन, जिला पुलिस के सहयोग से कारगर कदम उठाता रहा है । परिणाम स्वरुप वर्ष 2010 में गत वर्षों की तुलना में अपराध बढ़े है, वर्ष के दौरान हत्या व डकैती के कुल 54 अपराध, सेंध, चोरी व अन्य साधारण चोरी के अपराध (पशु चोरी सहित) 1102 रहे । लूट व अपहरण के अपराध 57 रहें । जिले में 12 पुलिस स्टेशन व 17 पुलिस चौकियां कार्यरत रही ।

111. हरियाणा सरकार के कर्मचारी :- जिला करनाल में 31 मार्च 2010 को राज्य सरकार के कुल 156 कार्यालयों में 20744 कर्मचारी सेवारत थे, जिनमें 1492 वर्ग एक व

वर्ग दो तथा शेष 19310 में से 12441 वर्ग तीन से सम्बन्धित थे । ब्योरा निम्न तालिका अनुसार है ।

112. मनोरंजनः- साधारण नागरिकों एवं श्रमिकों के लिए शहर करनाल में 5 तथा घरौण्डा व

श्रेणी	कुल		अनुसूचित जाति		पिछडावर्ग		भूतपूर्व सैनिक
	पुरुष	स्त्रियां	पुरुष	स्त्रियां	पुरुष	स्त्रियां	पुरुष
प्रथम	232	73	..	..	..	..	..
द्वित्तीय	756	373	..	..	..	..	..
तृतीय	9803	2638	..	..	..	..	..
चतुर्थ	3088	393	..	..	..	..	..
तदर्थ व फुटकर	827	2561	..	..	..	..	..
कुल	14706	6038	..	..	..	..	..

असन्ध में एक-एक सिनेमाघर है, जिनमें 4981 सीटों का प्रावधान है । कर्ण झील, ओएसिस, अटल पार्क, कालीदास रगंशाला देसी व विदेशी पर्यटकों को आकृर्षित करते है । वर्ष के दौरान जिले में विदेशी तथा भारतीय पर्यटकों ने भ्रमण किया । शहर करनाल का कर्ण पार्क व कर्ण ताल तथा नीलोखेडी का रघुविन्द्रा पार्क व घरौण्डा का पटेल पार्क भी नगरवासियों को सुबह शाम की सैर के लिये उपलब्ध रहे ।

113. बचतः- वर्ष 2010-11 में जिला करनाल में 39.98 करोड़ रुपये की निबल बचत विभिन्न स्कीमों अधीन रिकार्ड की गयी ।

114. विकेन्द्रीकरण योजनाः- जिले में आधारभूत संरचनाओं के निर्माण में गति प्रदान करने के लिए वर्ष 2010-11 के दौरान 945.20 लाख रुपये प्रदान करवाये गये, ताकि स्वीकृत विकास कार्यो/प्राजैक्टों को पूर्ण किया जा सके ।

115. खेलकूद व युवा कल्याणः- वर्ष 2010-11 के दौरान जिला करनाल में गांव, खण्ड व जिला स्तरीय खेलों के आयोजन समपन्न हुऐं । युवाओं में पर्यावरण सुधार, ईधन, जल व उर्जा के सदुपयोग के लिए तथा उनमें समाज सेवा की भावना को जागृत करने के लिए व एडस जैसी घातक बिमारियों के कुप्रभाव व नशीले पदार्थो के सेवन से बचने बारे सचेत करने के लिये अनेक सैमिनार व गोष्ठियां आयोजित की गई ।

116. नेहरु युवा केन्द्र :- नेहरु युवा केन्द्र जून 1973 से जिला करनाल में निरन्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर है । गैर छात्र ग्रामीण युवाओं को विकास कार्यक्रमों की मुख्य धारा

से जोड़ते हुऐ उन में स्वावलम्बन, समाजवाद, धर्म-निरपेक्षता एवं वैज्ञानिक सोच को विकसित करने के साथ साथ उनका बौद्धिक, शारारिक, सामाजिक व आर्थिक विकास करने के लिए युवा मण्डलों का गठन किया जाता है ।

युवा मण्डलों के सदस्यों से उतरदायी नागरिक की अपेक्षा की जाती है, जो राष्ट्रीय अखण्डता के प्रति सजग रह कर स्वस्छ वातावरण तैयार करने में प्रभावी भूमिका निभा सकें ।

जिला एक दृष्टि में

चुने हुए सूचकांक

1	जनसंख्या का घनत्व प्रति वर्ग कि0 मी0–2011			598
2	कुल जनसंख्या पर ग्रामीण जनसंख्या की प्रतिशतता–2011			69.73
3	कुल जनसंख्या पर शहरी जनसंख्या की प्रतिशतता–2011			30.27
4	कुल जनसंख्या पर 0–6 आयु वर्ग की जनसंख्या की प्रतिशतता–2011			12.90
5	कुल जनसंख्या में लिंगानुपात–2011			886
6	ग्रामीण जनसंख्या में लिंगानुपात–2011			885
7	शहरी जनसंख्या में लिंगाानुपात–2011			888
8	0–6 आयु वर्ग की जनसंख्या में लिंगानुपात–2011			820
9	**साक्षरता दर–2001**			
		ग्रामीण	शहरी	कुल (शहरी+ग्रामीण)
	पुरुष	81.50	88.75	83.73
	स्त्री	63.70	78.59	68.29
	व्यक्ति	73.10	83.94	76.44
10	अनुसूचित जाति जनसंख्या की प्रतिशतता–2001			20.99
11	कुल जनसंख्या पर मुख्य कार्यकर्ताओं की प्रतिशतता–2001			27.90
12	कुल जनसंख्या पर सीमान्त कार्यकर्ताओं की प्रतिशतता–2001			7.85
13	कुल जनसंख्या पर गैर कार्यकर्ताओं की प्रतिशतता–2001			64.25
14	सिंचाई की सघनता 2009–10			196.95
15	गांवों के विद्युतिकरण की प्रतिशतता			100.00
16	**स्कूल जाने वाले प्रति 1000 बच्चों पर स्कूलों की संख्या 2009–10**			
	प्राथमिक			20.18
	माध्यमिक			2.50
	उच्चतर			2.12

17	प्रति लाख जनसंख्या के विरुद्ध बिस्तरों की संख्या (जनसंख्या-2011)	31
18	प्रति लाख जनसंख्या के पीछे अस्पतालों, सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थय केन्दों की संख्या ।	2.51
19	प्रति बैंक के पीछे व्यक्तियों की संख्या 2010-11	6816
20	प्रति 100 वर्ग कि0मी0 क्षेत्र पर पक्की सतही सडकों की लम्बाई कि0 मी0 2010-11	63.33
21	प्रति लाख जनसंख्या के विरुद्ध डाकघरों की संख्या	13
22	प्रति लाख जनसंख्या पर परिवार कल्याण केन्दों की सेख्या	0.47
23	प्रति हजार जनसंख्या के विरुद्व पशु (गउधन)	99
24	प्रति हजार जनसंख्या के विरुद्व भैसें	351
25	प्रति हजार जनसंख्या के विरुद्व कुक्टादि	1832
26	प्रति लाख जनसंख्या के विरुद्व वन क्षेत्र वर्ग कि0मी0	5.99
27	प्रति लाख जनसंख्या पर सभी प्रकार की सहकारी समितियां 2010-11	74
28	प्रति व्यक्ति विद्युत खपत 2007-08 (यूनिट)	9070
29	रोजगार कार्यालयों के चालू रजिस्टर अनुसार कुल जनसंख्या पर बेरोजगार व्यक्तियों की प्रतिशतता 2010	4.47
30	**जिला करनाल में दशकीय जनसंख्या वृद्वि दर**	
	1951-61	33.62
	1961-71	30.05
	1971-81	33.96
	1981-91	24.76
	1991-2001	23.13
	2001-2011	
	कुल	18.22
	ग्रामीण	12.17
	शहरी	34.98

हरियाणा व जिला करनाल के आधारभूत आंकड़े-वर्ष 2011

क्रमांक	मद	इकाई	हरियाणा	करनाल
1	2	3	4	5
1	**जिले का प्रशासनिक ढांचा**			
	उपमण्डल	सख्या	57	3
	तहसील	सख्या	74	5
	उपतहसील	सख्या	44	3
	विकास खण्ड	सख्या	119	6
	कस्बे	सख्या	154	7
	गांव	सख्या	6841	434
	आबाद गांव	सख्या	6841	422
2	**क्षेत्रफल व जनसख्या - जनगणना, 2011**			
	भोगोलिक क्षेत्रफल	वर्ग कि.मी.	44212	2462.51
	कुल जनसख्या	लाख	253.53	15.06
	घनत्व	प्रति वर्ग कि.मी.	573	598
	पुरुष	लाख	135.05	7.99
	स्त्री	लाख	118.48	7.07
	पुरुष - स्त्री अनुपात	प्रतिशत	877	886
	ग्रामीण जनसख्या	लाख	165.31	10.50
	ग्रामीण जनसख्या दर	प्रतिशत	65.21	69.73
	शहरी जनसख्या	लाख	88.22	4.56
	शहरी जनसख्या दर	प्रतिशत	34.79	30.27
	अनुसूचित जाति जनसख्या - 2001	लाख	40.91	2.67
	अनुसूचित जाति जनसख्या दर - 2001	प्रतिशत	19.35	20.99
	अनुसूचित जाति जनसंख्या - पुरुष - 2001	लाख	21.89	1.43
	अनुसूचित जाति जनसंख्या - स्त्री - 2001	लाख	19.02	1.24
	साक्षर तथा शिक्षित व्यक्ति - 2011	लाख	169.04	7.33
	साक्षरता दर	प्रतिशत	76.64	76.44
	पुरुष साक्षरता दर	प्रतिशत	85.38	83.73
	स्त्री साक्षरता दर	प्रतिशत	66.77	68.29

हरियाणा व जिला करनाल के आधारभूत आंकड़े-वर्ष 2011

क्रमांक	मद	इकाई	हरियाणा	करनाल
1	2	3	4	5
	कुल आवास घर	सख्या	3712319	224230
	देहाती आवास घर	सख्या	2541980	160252
	शहरी आवास घर	सख्या	1170339	63978
	व्यक्ति प्रति आवास घर	सख्या	6	6
	कृषक	हजार	2224	105
	कृषि श्रमिक	हजार	608	57
	गृह उद्योग	हजार	153	10
	अन्य	हजार	3256	183
	कुल कार्यकर्ता	हजार	6241	355
	सीमांत कार्यकर्ता	हजार	2136	100
	गैर कार्यकर्ता	हजार	12767	819
3	**जलवायु - 2009**			
	औसत वर्षा	सै.मी.	44.3	52.7
4	**कृषि 2009-10**			
	गांव पत्रों अनुसार क्षेत्रफल	हजार हैक्ट.	4371	246
	वन	हजार हैक्ट.	39	1
	कृषि के लिए अनुपलब्ध भूमि	हजार हैक्ट.	573	23
	परती भूमि के अतिरिक्त कृषि रहित भूमि	हजार हैक्ट.	73	14
	कृषि योग्य परन्तु बंजर भूमि	हजार हैक्ट.	31	1
	परती भूमि	हजार हैक्ट.	175	9
	बोया गया निवल क्षेत्र	हजार हैक्ट.	3550	197
	एक से अधिक बार बोया गया क्षेत्र	हजार हैक्ट.	2801	192
	चावल के अधीन क्षेत्र	हजार हैक्ट.	1206	171.5
	कुल काश्त से प्रतिशतता	प्रतिशत	18.98	44.08
	उत्पादन	हजार टन	3628	521
	उपज	कि.ग्रा.प्रति हैक्ट.	3008	3029

हरियाणा व जिला करनाल के आधारभूत आंकड़े-वर्ष 2011

क्रमांक	मद	इकाई	हरियाणा	करनाल
1	2	3	4	5
	गेहूं के अधीन क्षेत्र	हजार हैक्ट.	2488	171.4
	कुल काश्त क्षेत्र से प्रतिशतता	प्रतिशत	39.17	44.06
	उत्पादन	हजार टन	10488	773
	उपज	कि.ग्रा.प्रति हैक्ट.	4215	4518
	बाजरा के अधीन क्षेत्र	हजार हैक्ट.	583	1.2
	उत्पादन	हजार टन	1930	2.0
	उपज	कि.ग्रा.प्रति हैक्ट.	1592	2051
	चना के अधीन क्षेत्र	हजार हैक्ट.	84.1	0.1
	तेल बीजों के अधिन क्षेत्र	हजार हैक्ट.	523.0	0.9
	उत्पादन	हजार टन	862.0	2.1
	गन्नों के अधीन क्षेत्र	हजार हैक्ट.	79.2	8.0
	उत्पादन	हजार टन	570.7	63.7
	उपज	कि.ग्रा.प्रति हैक्ट.	7224	7964
	कुल उर्वरकों का उपभोग	टन	1355688	116216
	ट्रैक्टर - 2010-11	सख्या	262236	18651
5	**सिचांई**			
	निबल सिंचित क्षेत्र	हजार हैक्ट.	3069	197
	सरकारी नहरें	हजार हैक्ट.	1282	43
	कुंए/नलकूप/पंपिंग सैट	हजार हैक्ट.	1785	154
	अन्य	हजार हैक्ट.	2	-
	बोये गये निबल क्षेत्र से प्रतिशतता	प्रतिशत	86.45	100
	कुल सिंचित क्षेत्र	हजार हैक्ट.	5545	388
	सिंचित क्षेत्र की काश्त क्षेत्र से प्रतिशतता	प्रतिशत	87.31	99.7
	सिंचाई की सघनता		180.7	197.0
	टयूबवैल तथा पम्पिंग सैट - 2010-11	सख्या	723457	40347

हरियाणा व जिला करनाल के आधानभूत आंकड़े-वर्ष 2011

क्रमांक	मद	इकाई	हरियाणा	करनाल
1	2	3	4	5
6	**वन**			
	वनों के अधिन क्षेत्र 2010-11	वर्ग कि.मी.	1684	74
	कुल भौगोलिक क्षेत्रफल	वर्ग कि.मी.	44212	2462.5
	वन क्षेत्रफल	प्रतिशत	3.81	3.01
7	**पशुपालन**			
	पशु चिकित्सालय 2010-11	सख्या	942	49
	पशु चिकित्सा डिस्पैसरी 2010-11	सख्या	1809	134
	पशु - पशु गणना, 2007	सख्या '00'	15633	1249
	भैंसे	सख्या '00'	59938	3810
	घोड़े/गधे/खच्चर	सख्या '00'	364	31
	भेड़ें	सख्या '00'	6032	174
	बकरियां	सख्या '00'	5432	114
	उंट	सख्या '00'	395	2
	सुअर	सख्या '00'	1332	68
	कुक्कट आदि	सख्या '00'	298694	47019
	अन्य - कुत्ते	सख्या '00'	1805	107
	मछली पालन क्षेत्र 2010-11	हैक्टेयर	17094	583
	मछली उत्पादन 2010-11	टन	93950	5303
8	**उद्योग**			
	पंजीकृत कार्यकारी फैक्टरियां 2010	सख्या	10513	468
	कार्यकारी फैक्टरियां में नियुक्त कार्यकर्ता	सख्या	782463	28430

हरियाणा व जिला करनाल के आधारभूत आंकड़े-वर्ष 2011

क्रमांक	मद	इकाई	हरियाणा	करनाल
1	2	3	4	5
9	**बिजली** 2010-11			
	विद्युतिकृत गांव	सख्या	6759	422
	विद्युतिकृत नलकूप	सख्या	491807	63733
	बिजली की खपत 2010-11			
	1. घरेलू	लाख किलो वाट	49897	2025
	2. उद्योग	लाख किलो वाट	66818	1980
	3. कृषि	लाख किलो वाट	80973	7295
	4. अन्य	लाख किलो वाट	34327	1775
	कुल	लाख किलो वाट	240125	13075
10	**चिकित्सा और स्वास्थ्य**			
	हस्पताल,डिस्पैंसरी व स्वास्थ्य केन्द्र 2010-11	सख्या	3242	185
	आयुर्वेदिक, यूनानी व होम्योपथिक केन्द्र	सख्या	499	27
	उपलब्ध बिस्तर	सख्या	10006	474
	ईलाज किए गए रोगी	सख्या-लाख	152.70	8.62
	चिकित्सा अमला	सख्या	12937	715
	नसबन्दी/नलबन्दी आप्रेशन	सख्या	78158	4533
11	**जन्म व मृत्यु के आंकड़े**			
	सैम्पल रजिस्टर स्कीम के अनुसार-2010			
	1. जन्म	सख्या	544620	32102
	2. मौतें	सख्या	147113	9217
	3. जन्म के समय लिंग अनुपात	प्रति 100	119	122
12	**शिक्षा (2010-11)**			
	विश्व विद्यालय	सख्या	24	..
	महा विद्यालय	सख्या	776	4
	उच्च/वरिष्ठ विद्यालय	सख्या	6771	344
	माध्यमिक विद्यालय	सख्या	3439	166

हरियाणा व जिला करनाल के आधारभूत आंकड़े-वर्ष 2011

क्रमांक	मद	इकाई	हरियाणा	करनाल
1	2	3	4	5
	प्राथमिक/पूर्व प्राथमिक विद्यालय	सख्या	13073	805
	शिक्षक अमला - मान्यता प्राप्त विद्यालय	सख्या	143057	6392
	कुल छात्र (Boys)	सख्या-लाख	49.78	2.68
	प्राथमिक विद्यालय छात्र	सख्या-लाख	16.95	0.40
	माध्यमिक विद्यालय छात्र	सख्या-लाख	8.78	0.66
	उच्च/वरिष्ठ विद्यालय छात्र	सख्या-लाख	24.05	1.62
	कुल छात्राऐ	सख्या-लाख	23.25	1.26
	प्राथमिक विद्यालय छात्राएं	सख्या-लाख	8.24	0.19
	माध्यमिक विद्यालय छात्राएं	सख्या-लाख	4.00	0.31
	उच्च/वरिष्ठ विद्यालय छात्राएं	सख्या-लाख	11.01	0.76
	अनुसूचित जाति के छात्र	सख्या-लाख	6.59	0.41
	अनुसूचित जाति की छात्राएं	सख्या-लाख	5.90	0.37
13	**ग्रामीण विकास एवं सहकारिता 2010-11**			
	सभी प्रकार की समितियां	सख्या	36392	1111
	सदस्यता	सख्या-लाख	57.53	3.27
	प्राथमिक कृषि उधार समितियों द्वारा वर्ष के दौरान दिया गया कर्ज	लाख रु.	513567	48514
	प्राथमिक भूमि विकास बैक	सख्या	19	1
	सदस्यता	हजार	73.3	48
	वर्ष के दौरान दिया गया कर्ज			
	1. ट्रैक्टर खरीदने हेतू	लाख रु.	822.53	80.55
	2. टयूबवैल लगाने हेतू	लाख रु.	464.35	-
	3. अन्य भूमि सुधारने हेतू	लाख रु.	38518.56	2658.57

हरियाणा व जिला करनाल के आधारभूत आंकड़े-वर्ष 2011

क्रमांक	मद	इकाई	हरियाणा	करनाल
1	2	3	4	5
14	**निर्वाचन वर्ष - 2009**			
	संसद सदस्य	सख्या	10	1
	विधान सभा सदस्य	सख्या	90	5
	निर्वाचक-मतदाता	हजार	13117	792
15	**स्थानीय निकाय वर्ष - 2009-10**			
	नगरपालिकाएं	सख्या	78	7
	नगरपालिकाओं की वर्ष के दौरान आय	लाख रु.	131562	5060
	नगरपालिकाओं का वर्ष के दौरान व्यय	लाख रु.	81638	3315
16	**अन्य**			
	हरियाणा राज्य परिवहन की बसें	सख्या	3211	168
	पक्की सडकें	कि.मी.	25426	1551
	वाणिज्य बैंक	सख्या	2623	167
	डाकघर	सख्या	2653	164
	तारघर	सख्या	..	1
	टेलिफोन केन्द्र	सख्या	1285	51
	रोजगार केन्द्र	सख्या	61	3
	पुलिस स्टेशन	सख्या	271	13
	पुलिस चौकियां	सख्या	323	19
	मनोरंजन स्थान	सख्या	44	3